दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

▸ संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 25 ▸ अंक : 277 रायपुर, सोमवार, 10 नवंबर 2025 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ` 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 ▸ नुआपाड़ा (ओडिशा) ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

किरण राव ने फिल्म ... ◂ 4

सूचना - जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

रीवा में स्कॉर्पियो ने 4 को कुचला

एजेंसी, रीवा। रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदुआ कोठार में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पार कर रहे चार लोगों को कुचल दिया। चारों की मौत हो गई। मरने वाले तीन लोग एक ही परिवार के बताए गए हैं। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक तीन लोग पैदल सड़क पार कर रहे थे। जबकि एक व्यक्ति बाइक पर जा रहा था। घटना रविवार शाम की है।

हादसे के बाद तीन शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही गढ़ और मनगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

रीवा से प्रयागराज की तरफजा रही थी स्कॉर्पियो

स्कॉर्पियो छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो स्कॉर्पियो (CG07CS7987) रीवा से प्रयागराज की तरफ जा रही थी। इसी दौरान ये हादसा हो गया।

हादसे के बाद काफी देर तक रीवा–प्रयागराज मार्ग पर जाम की स्थिति रही। जाम खुलवाने में पुलिस प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

हादसे में इनकी मौत हुई

रामनरेश साकेत पिता रामसिया साकेत (35) निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार

रुचि साकेत पिता रामनरेश साकेत (12) निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार

रचना साकेत पिता कन्हैया साकेत (13) निवासी ग्राम तेंदुआ कोठार

कमलेश सिंह (35) पिता रामसिया सिंह निवासी ग्राम हर्रो

हादसे में दो लोग घायल

सुलेखा साकेत पिता मुन्नीलाल साकेत

सौम्या साकेत पिता मुन्नीलाल साकेत शामिल है।

भारत से भेजी गई प्रतिमाओं के स्वागत पर बोले पीएम मोदी

बुद्ध के उपदेश भारत-भूटान के बीच पवित्र सेतु : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भूटान के नेतृत्व और उन लोगों की सराहना की जिन्होंने भारत से लाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का जबरदस्त श्रद्धा के साथ स्वागत किया। पीएम ने कहा कि बुद्ध के उपदेश दोनों देशों के बीच एक पवित्र कड़ी की तरह हैं।

भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का एक हिस्सा शनिवार को भूटान की राजधानी थिम्फू स्थित प्रमुख मठ ताशिछो–डजोंग में स्थापित किया गया। इसे भूटान के सर्वोच्च आध्यात्मिक और राजनीतिक संस्थानों का केंद्र माना जाता है। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, मंत्रियों और केंद्रीय धार्मिक निकाय के वरिष्ठ लोफेंस ने भारत के सामाजिक न्याय और

सशक्तिकरण मंत्री वीरेंद्र कुमार के साथ इस स्थापना समारोह में हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, ‘भारत से लाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का आदरपूर्वक स्वागत करने के लिए भूटान के लोगों और नेतृत्व को हार्दिक धन्यवाद।’ उन्होंने यह भी कहा कि ये अवशेष शांति, करुणा और सौहार्द का शाश्वत संदेश देते हैं। मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश भारत और भूटान की साझा आध्यात्मिक धरोहर के बीच एक पवित्र कड़ी की तरह हैं।

थिम्फू स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को ताशिछो–डजोंग के ग्रैंड कुएनरे हॉल में पारंपरिक चिपड्रेल जुलूस, प्रार्थनाओं, धार्मिक अनुष्ठानों और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्थापित किया गया। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक, ये अवशेष 8 से 18 नवंबर तक ताशिछो डजोंग के कुएनरे हॉल में जनदर्शन के लिए रखे जाएंगे, जो भारत और भूटान के बीच गहन आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है।

ताशिछो–डजोंग, जो एक

खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कर रही है कार्य : मुख्यमंत्री

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि है। यहीं की मिट्टी, यहां के लोग, यहां की शिक्षा और संस्कारों ने मुझे यह मुकाम हासिल करने की ताकत दी है।’यह कहना था विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी का, जिन्होंने आज मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात कर अपनी खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आकांक्षा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी सफलता पूरे छत्तीसगढ़ की सफलता है। महिला क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप अभियान में छत्तीसगढ़ की बेटी के शामिल होने से प्रदेशवासियों को यह महसूस हुआ कि हम सभी इस जीत में सहभागी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आकांक्षा को मेडल पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आकांक्षा सत्यवंशी की उपलब्धि

की सराहना करते हुए कहा कि आपने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। आपकी सफलता आने वाली पीढ़ियों की बेटियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि और भी युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल अलंकरण सम्मान को पुन: प्रारंभ कर रही है। साथ ही, ओलंपिक में शामिल होने वाले और पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सुदूर अंचलों की खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए ‘बस्तर ओलंपिक’ जैसे आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य अपने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिसके लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री के साथ इस ऐतिहासिक जीत की खुशी साझा करते हुए कहा, वर्ल्ड कप जीतना भारतीय महिला टीम की सफलता के साथ ही छत्तीसगढ़ का भी सम्मान है। मुझे गर्व है कि मैं अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए इस जीत में योगदान दे पाई।

पूर्वोत्तर भारत में IAF का पहला एयर शो

वायु योद्धाओं ने दिखाई ताकत, सीएम ने जताया आभार

एजेंसी, गुवाहाटी

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के 93वें वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को मेगा एयर शो का आयोजन किया गया। इस दौरान वायु सेना ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस मौके पर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा, देश के इस हिस्से में एयर शो का आयोजन करना हमारे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। हम दो–तीन साल से पूर्वत्तर में आने की कोशिश कर रहे थे। इसीलिए सिर्फ इसके लिए हमने अपना

समय अक्तूबर से नवंबर में बदला, ताकि हम यह शो कर सकें।

एयर चीफ मार्शल ने कहा, मैं वास्तव में इस तरह के उत्साह और प्रतिक्रिया से हैरान हूं। पूर्वोत्तर अब कोई दूरदराज की जगह नहीं रही। प्रदर्शन करने वाली विभिन्न टीमें हमेशा से यहां आती रही हैं और यह पहली बार है कि हमने पूर्वोत्तर भारत में वायु सेना दिवस का आयोजन किया।

वायु सेना की ओर से पूर्वोत्तर भारत में अभ्यास के आयोजन को लेकर उन्होंने कहा, अभ्यास नियमित रूप से होते रहते हैं। ऐसा नहीं कि किसी खास उद्देश्य के लिए कुछ हो रहा है।

दुश्मनों की नींद उड़ाने वाला है वायु सेना का प्रदर्शन: मुख्यमंत्री सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरम ने कहा कि ‘चिकन नेक कॉरिडोर’ के पास ताकत, कौशल और साहस का यह प्रदर्शन दुश्मनों को ‘नींद उड़ाने’ वाला है।

एयर शो के बाद सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में गुवाहाटी के लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने ‘फ्लाइंग डिस्प्ले 2025’ देखने के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित होकर समर्थन दिखाया।

उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर का यह पहला एयर शो वास्तव में ताकत, कौशल और साहस का रोमांचक प्रदर्शन था। चिकन नेक और चार अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पास भारत के वायु योद्धाओं के प्रति आपका जबरदस्त समर्थन देश के अंदर और बाहर दुश्मनों को नींद उड़ाने वाला है।

मेडिकल कॉलेज की निर्माणाधीन बिल्डिंग की सेंटरिंग गिरी, 9 मजदूर घायल

दो मजदूरों की हालत गंभीर, पुलिस जांच में जुटी

दुर्ग (प्रतिदिन राजधानी) दुर्ग भिलाई के स्मृति नगर चौकी क्षेत्र के अभिषेक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च में निर्माणाधीन अस्पताल का स्ट्रक्चर गिरने से काम थे 9 मजदूर घायल हो गया।सभी घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर जांच की जा रही है।

निर्माणाधीन अस्पताल की लकड़ी की सेंटरिंग अचानक भर–भराकर गिर पड़ी जिससे काम कर रहे नौ मजदूर उसके मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और अन्य मजदूरों ने तत्काल रेस्क्यू शुरू कर दबे हुए मजदूरों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में नौ मजदूर घायल हुए।

जिनमें छह को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं तीन मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसमें एक के सिर में गहरी चोट और दो के पैर और अंगुली फैक्चर हुआ है। वही घटना की जानकारी लगाने पर सुपेला थाना और स्मृति नगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। घायलों में जगत कुमार,शुभम कुर्रे,महेंद्र सिंह राजपूत,प्रदीप साहू,सुमति बंधे,संतोष यादव अन्य मजदूर शामिल है।

सुकमा में आईईडी ब्लास्ट, सीआरपीएफ का एक जवान घायल, रायपुर रेफर

एजेंसी, नई दिल्ली

फूलबगड़ी थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर माओवादियों के लगाए गए आइईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। घटना गोगुंडा के जंगल–पहाड़ी इलाके में उस समय हुई जब 74वीं बटालियन के जवान एरिया डामिनेशन ड्यूटी पर निकले थे।

पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब

1.45 बजे हुए ब्लास्ट में जवान के पैर में गंभीर चोटें आईं। साथी जवानों ने उसे तत्काल मौके से सुरक्षित निकालकर प्राथमिक उपचार दिया, इसके बाद बेहतर इलाज के लिए हेलीकाप्टर से रायपुर एयरलिफ्ट किया गया।

सघन सर्चिंग अभियान शुरू

घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आसपास के क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस को आशंका है कि माओवादियों ने गश्ती दल को निशाना बनाने के उद्देश्य से विस्फोटक लगाया था।

थाना फूलबगड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर माओवादियों के विरुद्ध आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विस्तृत जानकारी जांच के बाद जारी की जाएगी।

नई वंदे भारत में छात्रों के आरएसएस गीत गाने पर केरल सरकार सख्त

शिवनकुट्टी ने बिठाई जांच, सीएम विजयन ने की थी निंदा

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

केरल सरकार ने रविवार को उस घटना की जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें एर्नाकुलम से बंगलूरू के बीच नई शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में कुछ स्कूली बच्चों ने आरएसएस का गीत गाया था। राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने शिक्षा निदेशक (डीपीआई) को जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने कहा है कि बच्चों को राजनीतिक या साम्प्रदायिक उद्देश्य से इस्तेमाल करना संवैधानिक सिद्धांतों के खिलाफ है। मंत्री ने कहा, ‘सरकारी आयोजनों में बच्चों का इस्तेमाल किसी विशेष संगठन के प्रचार के लिए करना गलत है। जांच के बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।’

कांग्रेस और वाम दलों ने जताया विरोध

कांग्रेस और वाम दलों ने इस घटना की निंदा की है। कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि यह भाजपा का केरल को साम्प्रदायिक बनाने का एक और प्रयास है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकारी कार्यक्रम में आरएसएस का गीत क्यों गवाया गया। सीपीएम के वरिष्ठ नेता एमए बेबी ने इसे लोकतंत्र के लिए चुनौती बताया है।

केंद्रीय मंत्रियों ने बताया देशभक्ति गीत

वहीं, दो केंद्रीय मंत्रियों ने बच्चों की तरफसे गाए गीत का समर्थन किया। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने कहा, ‘बच्चों ने उत्साह में वह गीत गाया, इसमें कुछ गलत नहीं है। यह कोई उग्रवादी गीत नहीं है।’ केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने भी कहा, ‘जो लोग भारत विरोधी विचार फैलाते हैं, उन्हें यह गीत पसंद नहीं आएगा। यह एक गान गीतम है, इसमें क्या साम्प्रदायिकता है?’

स्कूल ने भी किया बच्चों का बचाव

एर्नाकुलम के एलमक्कारा में मौजूद सरस्वती विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल दिन्तो केपी ने बताया कि यह गीत बच्चों ने अपनी इच्छा से गाया था। उन्होंने कहा, ‘यह हमारा स्कूल का गीत है, जो एक मलयालम देशभक्ति गीत है। रेलवे या किसी और ने इसे गाने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने बताया कि जब रेलवे ने विवाद के बाद सोशल मीडिया से वीडियो हटा दिया, तो स्कूल ने प्रधानमंत्री कार्यालय और रेलवे मंत्री को पत्र लिखा था। इसके बाद दक्षिण रेलवे ने रविवार शाम को फिर से वही वीडियो पोस्ट किया, जिसमें गीत का अंग्रेजी अनुवाद भी शामिल था। प्रिंसिपल ने यह भी कहा कि बच्चों को सोशल मीडिया पर संघी किड्स कहकर ट्रोल किया जा रहा है, जो दुखद है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शिक्षा विभाग कार्रवाई करता है, तो स्कूल कानूनी रास्ता अपनाएगा।

बेंगलुरु जेल में सीरियल किलर-आतंकी और अपराधियों को मिल रहा वीआईपी ट्रीटमेंट

कौदियों को कौन करवा रहा मोबाइल-टीवी की सप्लाई

एजेंसी, बेंगलुरु

बेंगलुरु में एक चौंकाने वाला मामला देखने को मिला है. यहां के परपन्ना अग्रहरा सेंट्रल जेल में कैदियों का मोबाइल फोन चलाते और टीवी देखते हुए वीडियो सामने आया है. इन कैदियों में सीरियल रेपिस्ट और सीरियल किलर उमेश रेड्डी नाम का कैदी भी इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है. सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आते ही लोग जेल की सुरक्षा पर सवाल खड़े करने लगे हैं.

कैदियों के पास फोन-टीवी

सामने आई वीडियो में सीरियल रेपिस्ट उमेश रेड्डी के साथ ‌ISIS में भर्ती करने वाला जुहैब हमीद शकील मन्ना और कई कुख्यात अपराधी नजर आ रहे हैं. जी मीडिया स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सका. 1 मिनट लंबी इस वीडियो में मन्ना चाय की चुस्की लेते और वीडियो रिकॉर्ड करने वाले व्यक्ति से बात करते हुए देखा जा रहा है. वह फोन पर कुछ स्क्रॉल भी कर रहा है. बता दें कि मन्ना पर ISIS से जुड़े होने का आरोप लगा है. उसने पैसे जुटाकर मुस्लिम युवाओं को ISIS में शामिल होने के लिए सीरिया भेजा था.

दुष्कर्म के आरोपी के पास सुविधा

एक अन्य वीडियो में आरोपी उमेश रेड्डी जेल के अंदर 3 मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए दिखाई दे रहा है. बताया जा रहा है कि कर्मचारियों को अपराधियों के जेल के अंदर फोन और टीवी के इस्तेमाल की पूरी जानकारी थी. रेड्डी पर दुष्कर्म और हत्या के 18 मामलों के आरोप लगे हैं. उसे मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 3 साल पहले 30 साल के आजीवन कारावास में बदल दिया था।

CRPF में भर्ती था आरोपी

बता दें कि रेड्डी कथित तौर पर साल 1996 में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) में भर्ती हुए था और जम्मू–कश्मीर में एक कमांडेंट के घर पर गार्ड के रूप में तैनात था. वहां उन्होंने कमांडेंट की बेटी के साथ बलात्कार करने की कोशिश की, हालांकि उसे गिरफ्तार कर लिया गया था. रेड्डी भागने में कामयाब रहा और चित्रदुर्ग लौट आया था. वीडियो क्लिप पर विवाद बढ़ने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मामले की जांच करने और जरूरी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 02)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID-rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं. / 25625/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 2/2025
रायपुर दिनांक 08/11/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25625
वार्ड का नाम– 13– राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR223A00237** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAIRAM DAS ROHRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **NANAK RAM ROHRA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती कांता रोहरा पिता/पति श्री/श्रीमती पति जयराम दास रोहरा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 02)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID-rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं. / 25626/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 2/2025
रायपुर दिनांक 08/11/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25626
वार्ड का नाम– 27– इंदिरा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 27 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR737D00238** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAZHAR SIBATRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **HAKIMUDDIN SIBATRA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती सैय्यद आसिफ पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. सैय्यद मोहम्मद उमर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं. / 25666/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 3/2025
रायपुर दिनांक 08/11/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25666
वार्ड का नाम–31– नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328K00160** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **Mrs. Kamla Devi Patel** पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्रीमती कमला देवी, 02. श्री योगेश कुमार पटेल, 03. श्री राजेश पटेल, 04. श्रीमती ममता पटेल, पिता /पति श्री श्रीमती 01. पति स्व. जीवराखन लाल पटेल, 02. पिता पति स्व. जीवराखन लाल पटेल, 03. पिता पति स्व. जीवराखन लाल पटेल, 04. पति अनिल कुमार पटेल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **shapath patr, adhar card, mrityu praman patr, old ragistri** कमला देवी द्वारा अपने नाम सहित सभी वरिसनो का नाम साथ में दर्ज करने हेतु/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 25405/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 31/10/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25405
वार्ड का नाम - 10- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227G00044** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOD. MUKIMUL QADRI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOD . AZMAL QADRI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. एजाज अहमद 2. शहजाद पिता/पति श्री/श्रीमती अनवारूल हक ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 25498/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 03/11/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25498
वार्ड का नाम - 10- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227W00301** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **NATHMAL AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती दीपक कुमार अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती अशोक कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 25401/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 31/10/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25401
वार्ड का नाम - 10- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227W00459** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANJEEV KUMAR AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **RAMESH CHAND AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती काशिफ जोहेब दानी पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. तौसिफ सर्वर दानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 25502/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 31/10/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25502
वार्ड का नाम - 10- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227S00288** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. PARAMJEET KAUR GUMBER** पिता/पति श्री/श्रीमती **SARDAR MANJEET SINGH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती खुशी रॉय पिता/पति श्री/श्रीमती राजीव रॉय ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 25436/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 03/11/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25436
वार्ड का नाम - 10- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227N00614** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. BINDIYA PAHARE** पिता/पति श्री/श्रीमती **SUNDER LAL PAHARE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती सूरज लाल पहरे पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. सुन्दर लाल पहरे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने 'बड़ौदा किसान पखवाड़ा' में किसान मेला का किया आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा रायपुर क्षेत्र द्वारा किसानों से जुड़ाव के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम, 'बड़ौदा किसान पखवाड़ा' के आठवाँ संस्करण का शुभारंभ दिनांक 03.11.2025 को किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों से संपर्क के लिए विभिन्न गतिविधियों के साथ–साथ ज्ञान श्रृंखला एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अखिल भारतीय पहल का समापन 15.11.2025 को होगा, जिसके अंतर्गत विभिन्न माध्यमों से बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित होगे।

इस क्रम में बैंक ने दिनांक 08.11.2025को रायपुर में वृहद किसान मेला, ऋण शिविर और वित्तीय साक्षरता सत्र का आयोजन किया ।

इस कार्यक्रम में श्रीलाल सिंह , कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा; श्री दिवाकर पी सिंह, महाप्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा; डॉ. ज्ञानेंद्र मणि, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, उप महाप्रबंधक(अनुपालन एवं आश्वासन),डॉ रमेश कुमार मोहंती, उप महाप्रबंधक (व्यवसाय विकास), श्री भरतकुमार चावड़ा, श्री एम.एल. शर्मा, विभाग प्रमुख कृषि विस्तार विभाग, इंदिरा गांधी गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर , श्री संजय के द्विवेदी , प्रधान वैज्ञानिक/प्रोफेसर, कृषि विज्ञान विभाग इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं बैंक के अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। किसान मेले में गांव के सरपंच सहित 1000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

इस अवसर पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा की कार्यपालक निदेशक, श्री लाल सिंह ने कहा, 卐भारत के किसान हमारे देश की रीढ़ हैं और बैंक ऑफ़ बड़ौदा उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हैं। बड़ौदा किसान पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य देश के किसानों तक बैंक की विविध वित्तीय और डिजिटल सेवाओं को पहुँचाना है। बैंक ऑफ बड़ौदा सदैव भारत के कृषि समुदाय की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इस अभियान के माध्यम से हम किसानों को सशक्त बनाने, उन्हें सस्ती और सुगम ऋण सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा आधुनिक डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। डिजिटल किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल गोल्ड लोन जैसी पहलें किसानों के लिए बैंकिंग को और अधिक सुविधाजनक बनाती हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर किसान बैंकिंग के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो और भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री दिवाकर पी. सिंह द्वारा आधुनिक खेती के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, उन्होंने बताया कि किस तरह से किसान पारंपरिक एवं सीजनल खेती पर निर्भर ना रहकर आधुनिक कृषि तकनीक एवं कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्धन कर अपने आपको खुशहाल एवं संपन्न बना सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक सदैव ही कृषक हित में अग्रणी रहा है और आगे भी रहेगा।

किसान मेले में किसानों, स्वयं महिला समूह , ट्रेक्टर ऋण एवं कृषि ऋण के अंतर्गत लाभार्थियों को रू 300 करोड़ से अधिक कृषि ऋण का स्वीकृति एवं वितरण किया गया । इस समारोह के समपान पर धन्यवाद ज्ञापन रायपुर क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख , श्री प्रदीप कुमार यादव ने दिया।

औषधीय पौधों की खोज यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

कांकेर वनमण्डल के वन परिक्षेत्र कोरर अंतर्गत शनिवार को उप परिक्षेत्र हाटकर्रा के परिसर बनोली में बी.एम.सी. समितियों का औषधीय पौधों की खोज यात्रा कार्यक्रम रखा गया, जिसमें वन मंडलाधिकारी कांकेर श्री रौनक गोयल, उप वनमंडलाधिकारी कोरर जसवीर सिंह मरावी, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोरर बी.एस. सूर्यवंशी की उपस्थिति में वैद्यराज व अन्य प्रोफेसर के माध्यम से जड़ी बूटियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता और उससे जुड़े ज्ञान का संरक्षण, जैविक संसाधनों का संतुलित उपयोग, संसाधनों का प्रबंधन, सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./25642/न.पा.नि./ जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 08/11/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25642
वार्ड का नाम -20-रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802C0789A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SALIM SHAHJADE** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE IBANE HASAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **bhojram nagpure** पिता/पति श्री/श्रीमती **ramprasad nagpure** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप का रोमांच रायपुर में

जीवन अनमोल है - हेलमेट पहनें, जिम्मेदार बनें : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

राजधानी रायपुर के बूढ़ापारा आउटडोर स्टेडियम में आज रोमांच, ऊर्जा और साहस से भरपूर राष्ट्रीय सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप–2025 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री

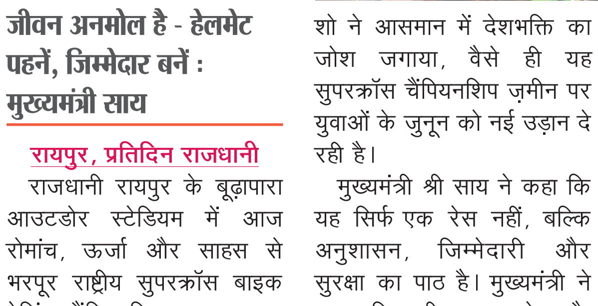

विष्णु देव साय ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन खेल युवा शक्ति, अनुशासन, साहस और जिम्मेदारी का उत्सव है। देशभर से आए 100 से अधिक प्रोफेशनल राइडर्स और हजारों दर्शकों की उपस्थिति ने इसे राष्ट्रीय स्तर का आकर्षण बना दिया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जैसे रजत जयंती महोत्सव के दौरान एयरोबेटिक शो ने आसमान में देशभक्ति का जोश जगाया, वैसे ही यह सुपरक्रॉस चैंपियनशिप ज़मीन पर युवाओं के जुनून को नई उड़ान दे रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि अनुशासन, जिम्मेदारी और सुरक्षा का पाठ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन अनमोल है, इसलिए हमेशा हेलमेट पहनें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक बनें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना, स्पोर्ट्स टूरिज़्म और मोटर स्पोर्ट्स जैसे नए क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला रही है और युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे सुरक्षित रेस करें, अपने कौशल का प्रदर्शन करें और दर्शक जिम्मेदारी के साथ इस खेल का आनंद लें।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्री गुरु श्री खुशवंत साहेब, लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री उज्ज्वल दीपक, अन्य जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

नगर निगम आयुक्त भी बनाये गए अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अहर्ता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य हेतु नगर निगम क्षेत्र में सहभागिता सुनिश्चित करने समस्त नगर निगम आयुक्तों को संबंधित निगम क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। आयोग के आदेशानुसार जिले के नगर निगम आयुक्त दुर्ग अधिकार क्षेत्र दुर्ग नगर निगम, नगर निगम आयुक्त भिलाई –3 चरौदा अधिकार क्षेत्र भिलाई–3 चरौदा नगर निगम, नगर निगम आयुक्त भिलाई अधिकार क्षेत्र भिलाई नगर निगम तथा नगर निगम आयुक्त रिसाली अधिकार क्षेत्र रिसाली नगर निगम के लिये अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किये गए है। यह नियुक्ति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 13 सी के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति समझे जाएंगे और ऐसे अधिकारी इस अवधि के दौरान निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षण एवं अनुशासन के अध्यधीन होंगे। यह नियुक्ति विशेष गहन पुनरीक्षण 2025–26 की समाप्ति पश्चात प्रभावी नही रहेगी।

अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अहर्ता तिथि 01 जनवरी 2026 हेतु पूर्व में नियुक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के अतिरिक्त नए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 62 पाटन हेतु अतिरिक्त तहसीलदार/ नायब तहसीलदार – 2 पाटन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमलेश्वर, 63 दुर्ग ग्रामीण हेतु कार्यपालन अभियंता नगर निगम रिसाली, 64 दुर्ग शहर हेतु सयुक्त कलेक्टर – 1/ डिप्टी कलेक्टर – 1 दुर्ग, उपायुक्त नगर पालिका निगम दुर्ग एवं कार्यपालन अभियंता – 2 नगर पालिका निगम दुर्ग, 65 भिलाई नगर हेतु सयुक्त कलेक्टर – 2/डिप्टी कलेक्टर –2 दुर्ग, ज़ोन आयुक्त ज़ोन –5/कार्यपालन अभियंता – 1 नगर निगम भिलाई, नायब तहसीलदार –3 दुर्ग एवं उपायुक्त नगर पालिका निगम भिलाई, 66 वैशाली नगर हेतु अतिरिक्त तहसीलदार –2/ नायब तहसीलदार– 4 दुर्ग, ज़ोन आयुक्त –3/ कार्यपालन अभियंता –2 नगर निगम भिलाई एवं नायब तहसीलदार –5 दुर्ग तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 67 अहिवारा हेतु तहसीलदार भिलाई –3, नायब तहसीलदार –1 अहिवारा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद जामुल को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 68 साजा (आंशिक) हेतु तहसीलदार/नायब तहसीलदार– 1 धमधा तथा 69 बेमेतरा (आंशिक) हेतु नायब तहसीलदार –2 धमधा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत धमधा को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जशपुर जम्बुरी छू रहा सफलता की उंचाई

पर्यटकों ने चार दिनों तक प्रकृति की गोद में एडवेंचर का भरपूर आनंद लिया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पर्यटन को दे रहे बढ़ावा

जशपुरनगर, प्रतिदिन राजधानी

तीसरे दिन की शुरुआत हुई देश देखा से, जहाँ प्रतिभागियों ने स्वादिष्ट स्थानीय नाश्ता किया और हल्की–फुल्की गतिविधियों के साथ दिन की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जशपुर जम्बुरी का आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में और जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार दिशा निर्देश में 6 से 9 नवम्बर तक सफ्लता पूर्वक जशपुर जम्बुरी कार्यक्रम का संचालन किया गया।

वन मंडला अधिकारी श्री शशि कुमार,डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा और रोजगार अधिकारी सुश्री दुर्गेशवरी सिंह सक्रिय रूप से शामिल रहे, जिन्होंने सभी गतिविधियों के सुचारू संचालन और व्यवस्थाओं में योगदान दिया।

हमारे सहयोगियों ने इस आयोजन को सफ्ल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईरू ट्रिप्पी हिल्स ने ऑन–ग्राउंड संचालन, लॉजिस्टिक्स और प्रचार–प्रसार में व्यापक योगदान दिया, जिससे हर गतिविधि व्यवस्थित और यादगार बनी। वहीं, होमस्टेज़ ऑफ़ इंडिया ने प्रचार, ब्रांडिंग और आउटरीच में सहयोग किया इसके साथ ही स्थानीय मीडिया ने भी जम्बुरी के प्रचार प्रसार में विशेष सहयोग दिया है। जशपुर जम्बुरी को सफ्ल बनाने में जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों का विशेष योगदान दिया है। जिसके कारण जशपुर जम्बुरी सफ्लता की ऊंचाई छू रहा है।

नाश्ते के बाद प्रतिभागियों ने रोमांचक रॉक क्लाइम्बिंग, जुमारिंग, रैपलिंग, ज़िपलाइनिंग और बोल्डरिंग जैसी गतिविधियों में भाग लिया, जिससे देश देखा जीवंत और उत्साहपूर्ण हो उठा। सुबह के रोमांच के बाद प्रतिभागियों को दो समूहों में बाँटा गया।

पहला समूह रवाना हुआ मयाली की ओर, जहाँ उन्होंने कयाकिंग, एक्वा साइकिलिंग, एटीवी राइड्स, पेंटबॉल, पैरामोटरिंग और हॉट एयर बैलूनिंग का आनंद लिया। मयाली डैम के किनारे परोसे गए स्वादिष्ट स्थानीय भोजन के बाद यह समूह शाम तक वापस देश देखा लौट आया। दूसरा समूह देश देखा से सारूडीह, रानीदाह और जशपुर संग्रहालय गया, जहाँ प्रतिभागियों ने जशपुर की सांस्कृतिक विरासत, कला और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव किया।

शाम को सभी प्रतिभागी सरना एथनिक रिज़ॉर्ट पहुँचे, जहाँ महिला स्वसहायता समूह (भ्ळ) द्वारा प्रस्तुत अद्भुत आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम ने वातावरण को जीवंत कर दिया। रंगीन परिधान, ढोल की थाप और ऊर्जा से भरे नृत्य ने जशपुर की असली आत्मा को मंच पर प्रस्तुत किया। रात ढलते–ढलते दोनों समूह फिर देश देखा में मिले। सितारों से भरे आसमान के नीचे जलती कैम्पफ़ायर की गर्माहट, हंसी–मज़ाक और अनुभवों की बातें दिन का समापन यादगार बना गईं।

नुआपाड़ा (ओडिशा) विधानसभा उपचुनाव-तीसरी बार पहुंचे मंत्री गुरु खुशवंत साहेब– जनता का उमड़ा सैलाब

कैबिनेट मंत्री खुशवंत साहेब के नुक्कड़ सभा स्थल पर पहुंचते ही कमल का बटन दबाएंगे

नुआपाड़ा (ओडिशा) /बागबाहरा/महासमुंद/आरंग/रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ओडिशा के नुआपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी जय ढोलकिया के समर्थन में छत्तीसगढ़ सरकार के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने तीसरी बार विधानसभा क्षेत्र पहुंचकर धुआधार प्रचार किया। कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब ने ग्राम तोर्रा, धरमबांधा, रतिपाली, दर्लिमुंडा, कन्डेतरा और मुंढ़ेला में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से जनता से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। उनके आगमन पर हर ग्राम में उमड़ी अपार भीड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि नुआपाड़ा की जनता भाजपा के साथ मजबूती से खड़ी है और विकास का कमल खिलाने के लिए संकल्पित हैं।

कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब के नुक्कड़ सभा स्थल पर पहुंचते ही कमल का बटन दबाएंगे, भाजपा को जिताएंगे का नारा गूंजता था। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि ङ्क भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास का जो मॉडल दिया है, वह आज जनता के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन ला रहा है। किसानों को 3100 रुपये में धान खरीदी, महिलाओं को सुभद्रा योजना के तहत 10,000 रुपये की सहायता, युवाओं के लिए रोजगार, और हर वर्ग के उत्थान की योजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को साकार कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा केवल चुनाव नहीं लड़ रही है, बल्कि विकास की लड़ाई लड़ रही है। नुआपाड़ा की जनता का जो विश्वास और समर्थन दिखाई दे रहा है, वह भाजपा की प्रचंड जीत का संकेत है। गुरु खुशवंत साहेब ने आगे कहा कि मैं तीसरी बार नुआपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच आया हूँ, और हर बार जनता का स्नेह पहले से कहीं अधिक बढ़ा हुआ महसूस कर रहा हूँ। भाजपा का संदेश हर घर तक पहुंच चुका है, अब बस अंतिम चरण में कमल का बटन दबाकर इस परिवर्तन को स्थायी बनाना है।

सार-समाचार

रोड अंडर ब्रिज निर्माण के उपरांत समपार फाटक क्र.DD - 05 एवं DD - 40 स्थायी रूप से बंद

(प्रतिदिन राजधानी)

DD-05 (बोरासी गेट) 25 नवंबर, 2025 एवं DD-40 (जुनवानी गेट) को 15 नवंबर, 2025 से स्थाई रूप से बंद रायपुर रेल मंडल दुर्ग – ताडोकी खंड में स्थित दुर्ग-मरोदा स्टेशनों के मध्य मानव सहित समपार क्र. DD-05 (बोरसी गेट) कि.मी. 871/2-3 एवं गुंडरदेही-लाटाबोर स्टेशनों के मध्य DD-40 (जुनवानी गेट),कि.मी. 911/6-7 पर स्थित है,जिन्हें रोड अंडर ब्रिज निर्माण के उपरांत स्थायी रूप में बंद कर दिया जाएगा । अत: उक्त समपार फाटक DD-05 कों दिनांक= 25.11.25 एवं DD-40 कों दिनांक= 15.11.25 (मध्यरात्रि 24:00 बजे) से स्थायी रूप में बंद कर दिया जाएगा ।

गुरु नानक देव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संत बाबा थाहिरिया सिंग संत बाबा सूरत सिंग दरबार गुरु भवन लाखे नगर चौक में श्री गुरु नानक देव जी का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें संत महात्माओं का दर्शन लाभ व सत्संग कीर्तन का आयोजन

किया गया है दरबार के प्रमुख – साई गोविंद सिंग जी. एवं सेवादारी प्रेम प्रकाश मध्यानी ने बाताय की कार्यक्रम गुरु भवन लाखे नगर चौक में 09 नवंबर 2025 दिन रविवार को दोपहर 12=00 कीर्तन 1=00 बजे भोग साहब 2=00 बजे गुरु का लंगर का आयोजन किया गया है ।

स्वास्थ्य विभाग ने महादेवघाट में सफाई करवायी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप, जोन 8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 पार्षद महेन्द्र औसर, संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 के पार्षद अर्जुन यादव के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जोन 8 अंतर्गत जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में किया।

"दुर्ग- हरिद्वार - दुर्ग के मध्य 02 - 02 फेरे 04 ट्रिप के लिए स्पेशल ट्रेन की सुविधा"

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

यात्रियों की विशेष सुविधा तथा उन्हे कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुनिश्चित करने हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा स्पेशल गाड़ी 08743/08744 दुर्ग– हरिद्वार – दुर्ग के मध्य दो – दो फेरे के लिये चलाई जा रही है । यह गाड़ी दुर्ग से 08743 नंम्बर के साथ 09 व 16 नवम्बर 2025 को तथा हरिद्वार से 08744 नम्बर के साथ 10 एवं 17 नवम्बर 2025 को चलेगी । इस गाड़ी में सभी श्रेणी में पर्याप्त संख्या में सीटें उपलब्ध है, यात्रीगण अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं। गाड़ी संख्या 08743 दुर्ग से 11.00 बजे रवाना होकर रायपुर 11.36 बजे, भाटापारा 12.28 बजे, उसलापुर 13.45 बजे, पेंड्रा रोड15=13 बजे, कटनी मुड़वारा 19=20 बजे, अगले दिन 7=05 बजे आगरा कैंट होते हुए 11=10 बजे निजामुद्दीन स्टेशन और 15.40 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08744 हरिद्वार से 21=00 रवाना होकर 2=15 बजे हजरत निजामुद्दीन, 5=00 आगरा कैंट 17.35 बजे कटनी मुड़वारा जंक्शन, 21=10 बजे पेंड्रा रोड 23.40 बजे उसलापुर होते हुए अगले दिन 00.40 बजे भाटापारा 01.40 बजे रायपुर 03=00 बजे दुर्ग पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी , 07 सामान्य, 08 स्लीपर, 01 एसी-थ्री सह एसी टू सहित कुल 18 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

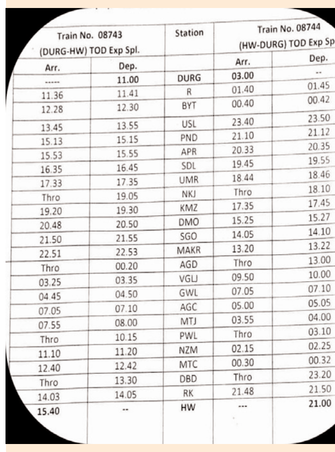

Train No. 08743 (DURG-HW) TOD Exp Spl.		Station	Train No. 08744 (HW-DURG) TOD Exp Spl.	
Arr.	Dep.		Arr.	Dep.
-----	11.00	DURG	03.00	--
11.36	11.41	R	01.40	01.45
12.28	12.30	BYT	00.40	00.42
13.45	13.55	USL	23.40	23.50
15.13	15.15	PND	21.10	21.12
15.53	15.55	APR	20.33	20.35
16.35	16.45	SDL	19.45	19.55
17.33	17.35	UMR	18.44	18.46
Thro	19.05	NKJ	Thro	18.10
19.20	19.30	KMZ	17.35	17.45
20.48	20.50	DMO	15.25	15.27
21.50	21.55	SGO	14.05	14.10
22.51	22.53	MAKR	13.20	13.22
Thro	00.20	AGD	Thro	13.00
03.25	03.35	VGLJ	09.50	10.00
04.45	04.50	GWL	07.05	07.10
07.05	07.10	AGC	05.00	05.05
07.55	08.00	MTJ	03.55	04.00
Thro	10.15	PWL	Thro	03.10
11.10	11.20	NZM	02.15	02.25
12.40	12.42	MTC	00.30	00.32
Thro	13.30	DBD	Thro	23.20
14.03	14.05	RK	21.48	21.50
15.40	--	HW	---	21.00

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने शहीद देवेन्द्र कुमार सेठिया की प्रतिमा का अनावरण किया

देवेंद्र कुमार सेठिया के शहादत को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने किया नमन

रायपुर/जगदलपुर। (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने शनिवार को बस्तर जिले के ग्राम धोबीगुड़ा (पो.आसना) के प्रायमरी स्कूल के प्रांगण में माओवादी बारुदी विस्फोट में शहीद देवेन्द्र कुमार सेठिया की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि की आसंदी से अपने सम्बोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि देवेन्द्र कुमार की शहादत बस्तर के नवजवानों को माओवाद के खात्मे के लिए सतत प्रेरित करती रही है। सेठिया-परिवार द्वारा प्रतिमा स्थापित किए जाने की पहल का स्वागत करते हुए श्री देव ने कहा कि यह प्रतिमा हमें सतत नक्सलमुक्त बस्तर और यहाँ सुख-शांति व सर्वतोमुखी विकास के लिए प्रेरित करती रहेगी। देवेन्द्र कुमार और उन जैसे असंख्य जवानों की शहादत ने शांत छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार किया है।

विदित रहे, 8 नवम्बर 1992 को धोबीगुड़ा में जन्मे देवेन्द्र कुमार (आत्मज = स्व. महेशराम व श्रीमती दयमती सेठिया) केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में 12 सितम्बर 2013 को सिपाही/जीडी के पद पर ग्रुप केन्द्र बिलासपुर में भर्ती हुए थे तथा प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत क्रमश: 222/175 एवं 196 बटालियन में तैनात रहे। बीजापुर जिले के ऊसूर थानान्तर्गत गलगम क्षेत्र में मओवादियों द्वारा किए गए आई.ई.डी विस्फोट में 19 अप्रैल 2024 को शहीद हो गए। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए परिजनों की ओर से उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है जिसका अनावरण उनकी जन्मतिथि पर 8 नवम्बर 2025 को किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के स्काउट गाइड्स ने बनाया 75वा स्थापना दिवस समारोह

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर मंडल भारत स्काउट एवं गाईड द.पू.मध्य रेलवे द्वारा स्काउट एवं गाइड का 75वा स्थापना दिवस समारोह 07 नवंबर 2025 को जिला प्रशिक्षण केंद्र रायपुर में आयोजित किया गया।। आयोजन में मुख्य रूप से जिला आयुक्त स्काउट एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के अतिथिय में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में सभी जिला के पदाधिकारी एवं 120 स्काउट्स गाइड्स रोवर्स एवं रेंजर्स ने भाग लिया जिसमें कैम्प फायर और संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया और साथ ही साथ जिला आयुक्त स्काउट द्वारा जिला के आगामी कार्यक्रमों एवं आगे की स्काउटिंग गतिविधियों पर चर्चा किया गया ।।

जिला आयुक्त स्काउट एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी - स्काउट गाइड की सेवा निस्वार्थ सेवा

07 नवंबर 2025 को स्थापना दिवस समारोह में स्काउट गाइड के बच्चें एवं लीडर्स द्वारा सुबह सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया प्रार्थना सभा के बाद स्काउट गाइड सदस्यों द्वारा वंदे मातरम के 150 वर्ष के उपलक्ष्य में वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत सभी सदस्यों ने मिल कर गया और बच्चों को गीत के महत्व से अवगत कराया । दिन भर में बच्चों ने स्काउटिंग संबंधी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिए जिसमें टेंट बनाना, गैजेट, और प्राथमिक उपचार एवं पेट्रोल सिस्टम और टीम में काम करने हेतु अलग अलग ट्रेनिंग भी दिया गया।।

शाम में कैम्प फायर का आयोजन किया जिसमें बच्चों द्वारा अलग अलग राज्यों के लोक नृत्य की प्रस्तुति दी जिसमें छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, संबलपुरी एवं बंगाली नृत्य ने सभी का मन मोह लिया बच्चों ने बहुत ही सुंदर एवं अद्भूत प्रदर्शन से सभी उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों को आनंदित किया।

कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान की प्रक्रिया पीएससी-यूपीएससी से भी अधिक जटिल हो गई -भाजपा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्षों का चयन की प्रक्रिया पीएससी-यूपीएससी से भी अधिक जटिल होती नजर आ रही है। श्री ठाकुर ने कहा कि लगातार करारी हार से पस्त कांग्रेस ने जैसे-तैसे संगठन सृजन का मन बनाया था, लेकिन इसमें भी पैसों के लेन-देन का आरोप लगाकर कांग्रेस के एक पूर्व विधायक ने इस पूरे अभियान को ही कठघरे में ला पटका है। सन 2023 के विधानसभा चुनाव से लगातार पाँच चुनावों में मिली करारी हार के बाद से ही अंदरूनी गुटबासे जूझ रही है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस का तो समूचा राजनीतिक इतिहास भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग का प्रामाणिक दस्तावेज है, इसलिए कांग्रेस के पूर्व विधायक रहे बृहस्पत सिंह के सह प्रदेश प्रभारी जरिता लेतफलांग के नाम पर जिला अध्यक्ष बनाने के लिए पैसे मांगे जाने के आरोप पर किसी को कोई हैरत भले नहीं हो रही है, लेकिन इससे कांग्रेस का भ्रष्ट राजनीतिक चरित्र एक बार फिर बेनकाब हुआ है और इससे राहुल गांधी के महात्वाकांक्षी संगठन सृजन अभियान पर ही प्रश्नचिह्न लग गया है। श्री ठाकुर ने कहा कि सत्ता में रहते हुए सरकारी खजाने में डाका डालने में जिस कांग्रेस के सत्ताधीशों को कोई हिचक नहीं हुई, जिस कांग्रेस के संगठन के खजाने तक में कांग्रेस के लोगों ने ही सेंधमारी करने में शर्म महसूस नहीं की, उस कांग्रेस में अब कभी किसी टिकट के लिए तो कभी पद के लिए पैसों की मांग के आरोप अनेक पदाधिकारियों पर लग रहे हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के लोग अपने ही पूर्व विधायक के आरोपों को कपोल-कल्पित बताकर शुतुरमुर्ग की तरह अंधड़ गुजर जाने का भ्रम पाले रहें, लेकिन सच्चाई तो यही है कि बिना आग के कहीं धुआँ नहीं उठता। कांग्रेस में टिकटों और पदों के लिए सौदेबाआम बात हो चुकी है। कांग्रेस में सौदेबाके लगते ये आरोप लोकतांत्रिक मूल्यों और विचारधारा के रसातल में जाने के साफ संकेत हैं।

भाजपा ने शुरू किया मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पश्चिम में दो मंडलों की कार्यशाला संपन्न मूणत बोले, एसआईआर लोकतंत्र को सशक्त बनाने की पहल प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा – हर पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल कराना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी

रायपुर पश्चिम क्षेत्र में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला गुढियारी मंडल और तात्यापारा मंडल में संपन्न हुई, जिसमें बूथ स्तर के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बीएलओ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गुढियारी मंडल की कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वहीं तात्यापारा मंडल में रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण दिया। एसआईआर अभियान को लेकर भाजपा का विशेष प्रशिक्षण भाजपा की इस कार्यशाला का उद्देश्य एसआईआर अभियान के तहत चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया को गहराई से समझाना और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना था। 4 नवम्बर से प्रदेशभर में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन का कार्य शुरू हो चुका है। भाजपा ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की है।

प्रत्येक कार्यकर्ता बने बीएलओ का सहयोगी - यशवंत जैन

प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा कि यह अभियान लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में बीएलओ के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ सके। जहां बीएलओ नहीं पहुंच पा रहे हैं, वहां भाजपा कार्यकर्ता स्वयं पहल करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आम नागरिकों को फॉर्म-6 (नए मतदाता जोड़ने हेतु), फॉर्म-7 (संशोधन हेतु) और फॉर्म-8 (पता परिवर्तन हेतु) की प्रक्रिया की जानकारी दें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। राजेश मूणत का कांग्रेस पर हमला भ्रम फैलाने की कोशिश

रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर को लेकर जनता के बीच गलत संदेश फैला रही है, जबकि यह अभियान मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने के लिए है। भाजपा कार्यकर्ताओं की भूमिका इस प्रक्रिया में निर्णायक है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि कोई फर्जी मतदाता सूची में न रहे और कोई पात्र नागरिक छूटे नहीं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कई बार पुनरीक्षण प्रक्रिया हुई है, लेकिन पहली बार इतनी गंभीरता और व्यापक स्तर पर इसे लागू किया जा रहा है। यह अभियान लोकतंत्र और राष्ट्र को सशक्त बनाने वाला है। कांग्रेस की चुप्पी बताती है कि वे आज भी जनता को भ्रमित करने की राजनीति में उलझे हैं, उन्होंने जोड़ा।

भाजपा का संकल्प – हर घर तक पहुंचेगा एसआईआर अभियान

भाजपा ने संकल्प लिया कि एसआईआर अभियान को बूथ स्तर तक पूरी मजबूती से चलाया जाएगा। कार्यकर्ता प्रत्येक परिवार तक पहुंचेंगे, मतदाता सूची का मिलान करेंगे और बीएलओ के साथ समन्वय में काम करेंगे, ताकि मतदाता सूची शुद्ध, सटीक और पारदर्शी बन सके।

न्योता भोज में शामिल हुए वनमंत्री केदार कश्यप

नारायणपुर /रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत खोड़गांव के शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला प्रांगण में न्योता भोज कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सरकार के वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप शामिल हुए। कश्यप ने विद्यालय पहुँचकर बच्चों से आत्मीय संवाद किया तथा उनके पोषण आहार, स्वास्थ्य, पढ़ाई और विद्यालयीन गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को स्नेहपूर्वक भोजन परोसते हुए न्योता भोज कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों का अच्छा स्वास्थ्य और संतुलित आहार ही उनके उवल भविष्य की नींव है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना इसी उद्देश्य को लेकर कार्य कर रही है कि हमारे देश का कोई भी बच्चा भूखा या कुपोषित न रहे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री कश्यप ने शिक्षकगणों से मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, पोषण आहार के नियमित वितरण और स्वच्छता के मानकों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों को पौष्टिक भोजन के साथ-साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति जागरूक बनाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, नगर पालिका के अध्यक्ष

सम्पादकीय

सीखने-सिखाने का हाल : क्यूएस रैंकिंग ने दिखाई शिक्षा प्रशासन में सुधार की जरूरत

नवीनतम क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग उन चुनौतियों की ओर इशारा करती हैं जिनका सामना भारत को विश्व की सेवा क्षेत्र की राजधानी के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए करना पड़ रहा है। भारत दुनिया की अग्रणी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में अपनी स्थिति को अपनी बढ़ती घरेलू बौद्धिक पूंजी का एक संकेतक मानता है। लेकिन वैश्विक उच्च शिक्षा का विश्लेषण करने वाली फर्म, क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा संकलित वार्षिक रैंकिंग से पता चलता है कि देश अपनी उच्च शिक्षा में गंभीर सुधार किए बिना इस मानव संसाधन पर भरोसा नहीं कर पाएगा। भारत ने न केवल सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाली उच्च शिक्षा प्रणाली के रूप में अपना शीर्ष स्थान चीन के हाथों गंवा दिया, बल्कि उसके कई प्रमुख संस्थानों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय गिरावट आई। इस वर्ष 137 भारतीय विश्वविद्यालयों ने इस सूची में प्रवेश किया, जिससे इसमें शामिल देश के विश्वविद्यालयों की कुल संख्या 294 हो गई। उच्च तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की चीन की ऊर्जावान और सक्षम नीति का अंदाजा इसके 261 संस्थानों के जुड़ने से लगाया जा सकता है जिससे वहां के संस्थानों की कुल संख्या 395 हो गई है। कोई भी भारतीय संस्थान शीर्ष 10 में जगह नहीं बना पाया। इसमें हॉन्ग कॉन्ग, चीन और वैश्विक नवाचार के उभरते केंद्र सिंगापुर के संस्थान रहे। भारत का शीर्ष प्रदर्शन करने वाला विश्वविद्यालय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली रहा लेकिन उसकी 59वीं रैंकिंग पिछले वर्ष के 44वें स्थान से 15 पायदान नीचे है। आईआईटी बंबई 2025 में 48 से गिरकर 71 पर आ गया और आईआईटी खड़गपुर पिछले साल के 60 से गिरकर 77 पर पहुंच गया। मद्रास और कानपुर सहित सभी प्रमुख आईआईटी ने कम से कम 2021 के बाद से अपनी सबसे निचली रैंक दर्ज की। भारत की शीर्ष 10 रैंकिंग में शामिल सात संस्थानों में से केवल चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ही 120 से 109 पर पहुंचा है। कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर शीर्ष 100 में स्थान नहीं रखता है। हालांकि चीन के कई विश्वविद्यालय इसमें शामिल हैं, जिनमें 14वें स्थान पर पेकिंग विश्वविद्यालय है। विडंबना है कि यह खराब प्रदर्शन ऐसे समय में दिख रहा है, जब भारत सरकार ने पिछले एक दशक में उच्च शिक्षा में कई सुधार पेश किए हैं। इन सुधारों में, आईआईटी के लिए अधिक शासी स्वायत्तता, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए संसाधन जुटाने के मानदंडों में ढील, और विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश का रास्ता आसान बनाना शामिल है।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ सफलता का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है।

ललित गर्ग।

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को प्रदर्शन की प्रतियोगिता बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है। एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं- परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया। आज की शिक्षा बच्चों को केवल जानकार बना रही है, ज्ञानी नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा प्रतियोगिता का उद्योग पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में होलिस्टिक लर्निंग, जॉयफुल एजुकेशन, रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे। परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके। भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि तनाव से कैसे निपटें, असफलता को कैसे स्वीकारें या भावनाओं को कैसे व्यक्त करें। जिन्हें हम टॉपर कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा।

विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी। देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें।

अंतरिक्ष में भारतीय संचार का नया सितारा सीएमएस-03

योगेश कुमार गोयल।

पिछले दिनों श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम3-एम5 ने भारत के अब तक के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया और उसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। यह प्रक्षेपण न केवल भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नई छलांग है बल्कि यह उस आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है, जिसकी परिकल्पना आज का भारत अपने वैज्ञानिक संकल्प से साकार कर रहा है। करीब 4,410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है।

एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है। पहले चरण में इसके दो ठोस बूस्टर रॉकेट एस-200 प्रारंभिक लिफ्ट ऑफ के लिए भारी थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं। दूसरे चरण में एल-110 लिक्विड प्रोपल्शन स्टेज आता है, जिसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में विकसित किया गया है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन सी-25 कार्य करता है, जो सैटेलाइट को सटीक रूप से उसकी कक्षा में स्थापित करने की अंतिम जिम्मेदारी निभाता है। यह जटिल प्रणाली और उसकी सटीक कार्यप्रणाली भारत की उस इंजीनियरिंग दक्षता की परिचायक है, जिसने आज विश्व की शीर्ष चार अंतरिक्ष शक्तियों में भारत को स्थापित किया है। इसरो के इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह भारत को भारी उपग्रह प्रक्षेपण में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। इससे पहले इसरो को अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी लॉन्च सेवाओं का सहारा लेना पड़ता था, जैसे कि दिसंबर 2018 में जीएसएटी-11 को फ्रैंच गयाना से एरिएन-5 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। उस समय जीएसएटी-11 (5854 किलोग्राम) इसरो का सबसे भारी उपग्रह था परंतु वह भारत से लॉन्च नहीं हो सका था। आज सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण के साथ भारत ने यह उपलब्धि अपने दम पर हासिल कर ली है। सीएमएस-03 को इसरो के वैज्ञानिकों ने आधुनिक संचार अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। यह एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो देश के दूरस्थ और समुद्री इलाकों में तेज और विश्वसनीय संचार सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इस उपग्रह के माध्यम से रक्षा क्षेत्र, नौसेना, आपदा प्रबंधन, नागरिक संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा। विशेष रूप से यह नौसेना के लिए समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षित और निर्बाध संचार नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी। भारत की समुद्री सीमाएं लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी हैं और उसके पास व्यापक आर्थिक क्षेत्र है। ऐसे में सुदूर समुद्री इलाकों में संचार का सशक्त नेटवर्क आवश्यक है। सीएमएस-03 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय नौसेना को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा, यह देश के ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों में डिजिटल पहुंच को भी सुदृढ़ करेगा।

'बाहुबली' नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे 'बाहुबली' का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4,000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया।

प्राथमिक स्तर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा की शुरूआत एक परिवर्तनकारी पहल

डॉ प्रियंका सौरभ।

भारत सरकार द्वारा प्राथमिक स्तर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की शिक्षा शुरू करने की योजना भारतीय शिक्षण प्रणाली के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखी जा रही है। यह पहल न केवल बच्चों को भविष्य की तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करने का प्रयास है, बल्कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के मूल उद्देश्यों – समग्र, बहुविषयी, कौशल आधारित और नवाचार उन्मुख शिक्षा – के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। यह कदम भारत के शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को पारंपरिक रटंत प्रणाली से निकालकर जिज्ञासा, रचनात्मकता और तर्कशीलता की दिशा में मोड़ने वाला है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि 'स्मार्ट नागरिक' बनाना है जो न केवल सूचना समझ सके, बल्कि उसका रचनात्मक और नैतिक उपयोग भी कर सके। इसी परिप्रेक्ष्य में सरकार का यह निर्णय कि प्राथमिक स्तर से ही बच्चों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूल समझ दी जाए, एक दूरदर्शी और नीतिगत दृष्टि से परिपक्व कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रमुख उद्देश्य इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रणाली का रूपांतरण है। नीति यह कहती है कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे की जिज्ञासा, प्रयोगशीलता और सृजनशीलता को प्रोत्साहित करे। एनईपी 2020 का सबसे बड़ा फोकस यह है कि बच्चों में 'सीखने की खुशी' विकसित हो और शिक्षा रटने की बजाय सोचने, समझने और खोजने की प्रक्रिया बने।

भारत सरकार की यह योजना एनईपी 2020 की उस भावना को साकार करती है, जो शिक्षा को केवल नौकरी प्राप्ति का साधन नहीं बल्कि जीवन कौशल, तकनीकी समझ और मानवीय मूल्यों से युक्त नागरिक निर्माण का माध्यम मानती है। प्राथमिक स्तर से एआई शिक्षा बच्चों में तार्किक सोच, विश्लेषण क्षमता और जिम्मेदार तकनीकी दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी। भारत का शिक्षण तंत्र लंबे समय तक पारंपरिक पद्धतियों पर आधारित रहा है, जहां ज्ञान को रटना और परीक्षाओं में अंक प्राप्त करना ही सफलता का पैमाना माना गया। लेकिन बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, डिजिटल युग और चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर में यह दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं रह गया है।

इस दृष्टि से देखा जाए तो एआई शिक्षा का आरंभ इसी विचार का विस्तार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी विषय नहीं है, बल्कि यह सोचने, विश्लेषण करने और समस्या समाधान की कला को विकसित करने का माध्यम है। जब बच्चे प्रारंभिक स्तर से ही तर्कशक्ति, पैटर्न पहचान और आंकड़ों को समझने की क्षमता सीखते हैं, तो वे जीवन के हर क्षेत्र में अधिक समझदार निर्णय ले सकते हैं। यही एनईपी 2020 का उद्देश्य भी है – ऐसी शिक्षा जो बच्चे को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान बनाए। एआई को प्राथमिक स्तर पर शामिल करने का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षा को बहुविषयी बनाता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी कक्षा में बच्चों को रोबोट की मदद से कहानी सुनाई जाती है, तो वे एक साथ भाषा, गणित, विज्ञान और नैतिकता सीखते हैं। इस तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से शिक्षा का चरित्र 'विषय-केंद्रित' न रहकर 'अनुभव-केंद्रित' बनता है। एनईपी 2020 का यही लक्ष्य है कि शिक्षा बच्चों के अनुभव और रुचि के आधार पर दी जाए, ताकि सीखना एक स्वाभाविक प्रक्रिया बन सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में 'मौलिक साक्षरता और गणनात्मक क्षमता' यानी बुनियादी पढ़ने-लिखने और गिनने की योग्यता को प्राथमिक चरण की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया गया है। यदि इसी स्तर पर बच्चों को एआई की प्रारंभिक अवधारणाएँ, जैसे – तर्क श्रृंखला, डेटा पहचान, पैटर्न समझना या निर्णय लेना – सिखाई जाएं, तो उनकी सोचने और विश्लेषण करने की शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। यह उन्हें न केवल डिजिटल युग के अनुकूल बनाता है, बल्कि भविष्य के रोजगार और नवाचार की दिशा में भी सक्षम बनाता है।

हालांकि, इस योजना के कार्यान्वयन के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है – डिजिटल असमानता। भारत के कई ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में अभी भी इंटरनेट, कंप्यूटर और प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। यदि एआई शिक्षा को समान रूप से लागू नहीं किया गया तो यह अमीर और गरीब बच्चों के बीच एक नई 'डिजिटल खाई' पैदा कर सकती है।

बॉलीवुड समाचार

गुस्से और डर को काबू में रखने थेरेपी ले रही हैं शहनाज गिल

हाल ही में 'बिग बॉस 13' से घर-घर में पहचान बनाने वाली शहनाज गिल ने अपने दिल की बात कही। एक्ट्रेस शहनाज ने खुलासा किया कि वह अपने गुस्से और डर को काबू में रखने के लिए थेरेपी ले रही हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास सब कुछ है नाम, शोहरत, पैसा, लेकिन मन में शांति नहीं है। इस स्वीकारोक्ति ने यह दिखा दिया कि ग्लैमर की चमक के पीछे भी गहरी भावनात्मक चुनौतियां छिपी होती हैं। अपनी नई पंजाबी फिल्म 'इक्क कुड़ी' के प्रमोशन के दौरान शहनाज ने बताया कि वह कई बार थेरेपी ले चुकी हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी मैं अपना आपा खो देती हूं। अकेले रहना मुझे डराता हैज लगता है कि मैं पागल हो जाऊंगी। शहनाज ने ईमानदारी से कहा कि जीवन में सब कुछ मिलने के बाद भी भीतर का खालीपन खत्म नहीं होता। कभी-कभी लगता है सब कुछ मिल गया, पर मन नहीं भरता। इंसान काम, रिश्तों और जिम्मेदारियों में इतना उलझ जाता है कि खुद को भूल जाता है, उन्होंने कहा। शहनाज गिल की सफलता की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं रही है। 'बिग बॉस 13' में अपनी मासूमियत और सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी बॉन्डिंग ने उन्हें दर्शकों के दिलों में जगह दी। इसके बाद उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान', पंजाबी ब्लॉकबस्टर 'हौंसला रख' और 'थैंक यू फॉर कमिंग' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। अब वह अपनी नई फिल्म 'इक्क कुड़ी' में न सिर्फ मुख्य किरदार निभा रही हैं, बल्कि बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़ी हैं। यह फिल्म 31 अक्टूबर को रिलीज़ होगी। शहनाज का कहना है कि सफलता के पीछे हमेशा संघर्ष छिपा होता है। लोग सोचते हैं कि सब आसान है, लेकिन असली जंग अंदर चलती है। हर दिन खुद को संभालना पड़ता है।

किरण राव ने फिल्म 'लगान' के सेट पर कॉफी पिलाई

आमिर से शादी की बात सुनकर पेरेंट्स हैरान हुए, 'लापता लेडीज' से रिकॉर्ड बनाया

एक ऐसी डायरेक्टर, जिसकी फिल्में भले ज्यादा शोर नहीं करतीं, लेकिन गहरा असर छोड़ जाती हैं। उनकी फिल्मों में ग्लैमर भले कम हो, लेकिन भावनाओं की गहराई हमेशा मौजूद रहती है। उनके किरदारों के चेहरे पर चमक न सही, पर उनकी आंखों में संघर्ष और दिल में उम्मीद साफ झलकती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं किरण राव की, जो उन फिल्ममेकर्स में से हैं, जो सिनेमा को सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को समझने और दिखाने का जरिया मानते हैं। किरण राव का जन्म बेंगलुरु में हुआ था, लेकिन उनका बचपन कोलकाता में बीता। किरण के फैमिली बैकग्राउंड की बात करें, तो लोग अक्सर उन्हें तेलंगाना की रॉयल फैमिली से जोड़ते हैं। हालांकि लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में किरण ने बताया था कि उनका सीधा संबंध रॉयल फैमिली से नहीं है। तेलंगाना से उनका कनेक्शन उनके दादा की बहन के जरिए है, जिनकी शादी वनपर्थी के राजा जे. रामेश्वर राव से हुई थी। किरण खुद को कर्नाटक और कोलकाता दोनों की मिली-जुली सांस्कृतिक पहचान मानती हैं। वहीं, एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी उनकी कजिन हैं। किरण की मां उमा राव एक स्कूल टीचर थीं, जबकि उनके पिता सी.आर. राव, गेस्ट कीन एंड विलियम्स नाम की ब्रिटिश आयरन-स्टील कंपनी में मार्केटिंग का काम करते थे। किरण ने अपनी स्कूलिंग कोलकाता के लोरेटो हाउस और फिर ला मार्टिनियर फॉर गर्ल्स से की। इसके बाद वे मुंबई के सोफिया कॉलेज में आर्ट्स की पढ़ाई करने गईं। आगे उन्होंने दिल्ली की जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी से मास कम्युनिकेशन में मास्टर किया है। जामिया से मास कम्युनिकेशन में मास्टर करने के बाद किरण ने फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए मुंबई का रुख किया। उनकी पहली फिल्म आशुतोष गोवारिकर की 'लगान' थी। जिसमें उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर की भूमिका निभाई थी। फिल्म 'लगान' की सफलता सिर्फ आशुतोष गोवारिकर और आमिर खान के विजन की कहानी नहीं है, बल्कि उस टीम के जज्बे की भी है, जिसने छह महीनों तक रेगिस्तान जैसी कठोर परिस्थितियों में मेहनत की। उस टीम की सबसे मेहनती सदस्यों में एक किरण राव भी थीं। किरण राव का काम सभी कलाकारों को मेकअप, हेयरस्टाइल, कपड़ों से लेकर सेट तक लाना था। किरण रोज सुबह 4 से 4:30 बजे तक सेट पर पहुंच जाती थीं ताकि शूटिंग सही तरीके से शुरू हो सके। यहां तक कि कई बार उन्हें सेट पर एक्टर्स के लिए कॉफी लाने के भी कहा जाता था। 'लगान' की शूटिंग को लेकर द लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था, 'सेट पर पहुंचने से पहले मैं वॉकी-टॉकी पर टोस्टर चालू करने के लिए कहती रहती थी। फिल्म में 'एलिजाबेथ' का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस रचेल शेली सुबह सबसे पहले टोस्ट चाहती थीं।' एक्टर अखिलेंद्र मिश्रा ने बताया, 'फिल्म 'लगान' के चीफ असिस्टेंट डायरेक्टर अपूर्व लाखिया थे।

डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म : एक दशक तक सीख, समझ और अनुभव के बाद किरण ने अपनी पहली फिल्म बतौर डायरेक्टर 'धोबी घाट' बनाई थी। फिल्म की बात करें तो यह फिल्म मुंबई शहर, अकेलेपन, सपनों और रिश्तों की नर्म परतों के बारे में थी। 'धोबी घाट' का वर्ल्ड प्रीमियर सितंबर 2010 में टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ था और यह 21 जनवरी 2011 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 5 करोड़ रुपए की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनिया भर में 25 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। फिल्म की क्रिटिक्स ने भी तारीफ की थी। इस फिल्म को 65वें ब्रिटिश अकादमी फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट नॉन-इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में लिस्टेड किया गया था। फिल्म 'धोबी घाट' में काम करने वाले एक्टर दानिश हुसैन ने बातचीत में बताया कि यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि किरण राव के विजन और डायरेक्शन की पाठशाला थी। दानिश के अनुसार, किरण राव ने शूटिंग के हर पहलू में शानदार बैलेंस बनाए रखा। उन्होंने कहा, 'वो कभी ऊंची आवाज में बात नहीं करतीं, लेकिन सेट पर उनकी पकड़ बहुत मजबूत होती थी। उन्हें पता होता था कि फिल्म को कहां ले जाना है।' दानिश बताया कि जब उन्होंने 'धोबी घाट' में काम किया, तब वे सिनेमा की दुनिया में बिल्कुल नए थे। उस वक्त उन्हें स्क्रीन एक्टिंग की समझ बहुत कम थी, वाइड शॉट्स में कैसे एक्ट करना चाहिए, कैमरे के सामने कितनी ऊर्जा रखनी चाहिए, ये सब वो सीख ही रहे थे। दानिश कहते हैं, 'किरण समझ गई थीं कि मेरा टेक्निकल सेंस थोड़ा कमजोर है। वे अक्सर कहती थीं, 'टेंशन मत लो, बस एक्टिंग पर ध्यान दो।'

डायरेक्शन में 13 साल बाद की वापसी

किरण राव ने साल 2023 में 13 साल बाद निर्देशन में वापसी की। डायरेक्टर के तौर पर उनकी दूसरी फिल्म 'लापता लेडीज' है। फिल्म की बात करें तो यह महिलाओं की पहचान, पितृसत्ता, सामाजिक व्यवस्था और आत्मसम्मान पर केंद्रित है। इस फिल्म की काफी तारीफ हुई। फिल्म ने 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में रिकॉर्ड भी बनाया। 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में इसे बेस्ट फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं, किरण राव को बेस्ट डायरेक्टर का सम्मान भी दिया गया। फिल्म 'लापता लेडीज' की एक्ट्रेस छाया कदम ने डायरेक्टर किरण राव के बारे में हाल ही में बातचीत में कहा कि किरण राव का सिनेमा उनके दिल से निकलता है। वो हर छोटे से छोटे डिटेल पर ध्यान देती हैं, ताकि फिल्म का कोई भी सीन गलत मैसेज न दे। छाया ने बताया कि कोरोना काल में शूटिंग के दौरान जब टीम के कई लोग बीमार पड़े, तो किरण ने खुद कैमरा और डायरेक्शन दोनों संभाले। एक पल के लिए भी उनके चेहरे पर शिकन नहीं आई। उन्होंने हम सबको हिम्मत दी। छाया ने आगे कहा कि किरण जी इंसानियत में यकीन रखती हैं। अगर कोई जूनियर आर्टिस्ट ठंड में खड़ा होता है, तो वो जाकर कहेंगी – 'भाई, स्वेटर पहन लो।'

स्वीकृति मिलने पर नगरवासियों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति जताया आभार

उप मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों से सहसपुर लोहारा नगर पंचायत को मिली 2.11 करोड़ के विकास कार्यों की स्वीकृति

नगर पंचायत क्षेत्र में प्रवेश द्वार, चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण, सामुदायिक भवन, खेल मैदान एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का होगा निर्माण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के अथक प्रयासों तथा जनहितैपहल के फलस्वरूप नगर पंचायत सहसपुर लोहारा को वित्तीय वर्ष 2025-26 में अधो संरचना मद अंतर्गत विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए 2 करोड़ 11 लाख 8 हजार रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति के बाद नगरवासियों में हर्ष की लहर व्याप्त है और जनप्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्वीकृत कार्यों में नगर पंचायत के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों का सौंदर्यीकरण, जनसुविधा परिसरों का निर्माण तथा सार्वजनिक स्थलों के उन्नयन कार्य शामिल हैं। नगर में 40 लाख रुपए की लागत से दो भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण कराया जाएगा, वहीं वार्ड क्रमांक 11 में 25 लाख रुपए की लागत से भारत माता चौक का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसी वार्ड में 6 लाख 50 हजार रुपए की लागत से एक सामुदायिक भवन तथा 15 लाख 81 हजार रुपए की लागत से छत्तीसगढ़ महतारी चौक का निर्माण किया जाएगा। वार्ड क्रमांक 13 में 22 लाख 39 हजार रुपए की लागत से पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक का निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ है, जबकि वार्ड क्रमांक 11 में 4 लाख 81 हजार रुपए की लागत से डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक का निर्माण किया जाएगा।

नगर के खेल प्रेमियों के लिए भी अच्छी खबर है। वार्ड क्रमांक 11 में स्थित खेल मैदान का उन्नयन एवं हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य स्वीकृत हुआ है, जिस पर लगभग 46 लाख 57 हजार रुपए व्यय किए जाएंगे। नगर के व्यापारिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए बालक प्राथमिक शाला के पीछे, पुराने पंचायत भवन के पास 30 लाख रुपए की लागत से एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कस्तूरबा आवासीय विद्यालय से सांस्कृतिक भवन तक 10 लाख रुपए की लागत से पाथवे निर्माण तथा पुराने तालाब के पास 10 लाख रुपए की लागत से छोटे गार्डन का निर्माण किया जाएगा।इन सभी विकास कार्यों से नगर पंचायत सहसपुर लोहारा का समग्र स्वरूप बदल जाएगा। चौक-चौराहों के सौंदर्यीकरण से नगर और भी आकर्षक बनेगा, वहीं नए सामुदायिक भवनों, खेल मैदान और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से नागरिकों को नई सुविधाएँ प्राप्त होंगी।

उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कहा है कि सहसपुर लोहारा नगर पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए यह स्वीकृति एक ऐतिहासिक कदम है। हमारा लक्ष्य है कि कवर्धा विधानसभा के प्रत्येक नगर और गांव को मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से नगर की सुंदरता और जनसुविधाओं दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने इन सभी स्वीकृतियों पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से नगर में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी, व्यापारिक गतिविधियाँ तेज होंगी और सहसपुर लोहारा का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।नगर के खेल प्रेमियों के लिए भी अच्छी खबर है। वार्ड क्रमांक 11 में स्थित खेल मैदान का उन्नयन एवं हाई मास्क लाइट लगाने का कार्य स्वीकृत हुआ है, जिस पर लगभग 46 लाख 57 हजार रुपए व्यय किए जाएंगे।

राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम 150वीं वर्षगांठ पर महापौर मीनल सभापति राठौड़, आयुक्त विश्वदीप, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों ने लाइव सुना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम 150वीं वर्षगांठ पर भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के प्रेरक उदबोधन और संगीतमय लयबद्ध वन्देमातरम की सुन्दर प्रस्तुति को नगर निगम सामान्य सभा सभागार में महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त विश्वदीप,सभी 10 जोन कार्यालयों में पार्षदों, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों ने लाइव सुना और राष्ट्गीत वन्देमातरम का किया सामूहिक जयघोष केन्द्र सरकार, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश अनुसार आज 7 नवम्बर 2025 को रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित निगम सामान्य सभा सभागार में राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय राजधानी नईदिल्ली से भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक उदबोधन और संगीत कलाकारों की संगीतमय लयबद्ध सुमधुर प्रस्तुति को रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त विश्वदीप, अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय, अपर आयुक्त सामान्य प्रशासन विभाग श्रीमती कृष्णा खटिक, मुख्य अभियंता यू. के. धलेन्द्र, नगर निगम मुख्यालय भवन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, सभी 10 जोन कार्यालयों में जोन अध्यक्ष, पार्षदों, जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों ने लाइव सुना और लाइव आयोजन के अंत में भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी की अपील पर उनके साथ राष्ट्रीय

उप मुयमंत्री साव से आप ने मांगा जवाब, व्यक्तिगत कायक्रम में सरकार के खजाने से 97 लाख का भुगतान यों किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में आम आदमी पार्टी की ओर से प्रदेश महासचिव वदूद आलम, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय और प्रदेश संगठन महासचिव उत्तम जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन सिंह और प्रदेश कर्मचारी विंग अध्यक्ष विजय झा ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव से जवाब मांगते हुए कहा है कि जैसा कि मीडिया में खबरे आ रहीं हैं कि उपमुख्यमंत्री अरुण साव के भांजे के तेरहवीं के कार्यक्रम बेमेतरा में 97 लाख रुपए का भुगतान किया गया जो पीडब्ल्यूडी के माध्यम से करवाया गया है मतलब कि सरकारी पैसा खर्च किया गया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा सरकार सिर्फ कार्यक्रमों में व्यस्त है प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है, स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है, किसानों को कभी खाद कभी यूरिया उपलब्ध नहीं करा पा रही सरकार,क़ानून व्यवस्था ख़राब है प्रदेश को भाजपा ने चाकूगढ़ बना दिया है ।हर

द गुड स्टार्ट स्कूल, प्रोफेसर कॉलोनी में विज्ञान प्रदर्शनी एवं नई शाखा का शुभारंभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

द गुड स्टार्ट स्कूल, प्रोफेसर कॉलोनी में 8 नवम्बर 2025 को वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी एवं नई शाखा का उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान के प्रति अपनी जिज्ञासा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सोलर पैनल, चंद्रयान, वैक्यूम क्लीनर (बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट), ऑटोमेटिक क्लोथ प्रोटेक्टर, टोल प्लाज़ा, और वॉटर प्यूरिफ़ायर जैसे वैज्ञानिक मॉडल दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। केजी-2 एवं कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों की संस्कृति, भाषा और खानपान पर शानदार प्रस्तुतियाँ दीं, जबकि केजी-1 के बच्चों ने कम्युनिटी हेल्पर्स के रूप में समाज में उनके महत्व को समझाया। नर्सरी वर्ग द्वारा तैयार किया गया बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट कॉर्नर प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रहा। अभिभावकों के लिए आयोजित फन गेम्स में सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और खूब आनंद उठाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे – ओंकार सिंह, संस्थापक मीटनिशा एडवरटाइजिंग एजेंसी एवं नन्हा आकाश पत्रिका के संपादक, जिन्होंने कहा – विद्यालय ऐसे मंच तैयार कर रहा है जो भविष्य के इन नन्हे वैज्ञानिकों के सपनों को पंख देगा। साथ ही डॉ. भीष्म सोनकर (अध्यक्ष, रायपुर नगर सोनकर समाज) ने बच्चों की प्रतिभा और विद्यालय के सतत विकास की सराहना की, जबकि श्रीमती मधु कुमार ने विद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। मॉडर्न नॉलेज एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष धर्मेश सोनी ने कहा ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टीमवर्क की भावना को मजबूत करते हैं। नई शाखा का शुभारंभ विद्यालय की प्रगति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है।

राज्य स्तरीय तेजस्वी युवा शिविर का आयोजन रायपुर आश्रम में

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

संत आशारामजी बापू प्रेरित युवा सेवा संघ के तत्वावधान में वी आई पी रोड स्थित संत आशारामजी बापू आश्रम में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तेजस्वी युवा शिविर का आयोजन 8 से 9 नवम्बर तक किया गया । छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से हजारों युवा इस शिविर का लाभ ले रहे है । रायपुर आश्रम के संचालक रामा भाई ने बताया कि आश्रम परिसर में युवाओं को तेजस्वी, संयमी, चरित्रवान बनने के साथ-साथ हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से दो दिवसीय तेजस्वी युवा शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें मुख्य वक्ता अहमदाबाद आश्रम से आये युवा सेवा संघ प्रमुख भाई संजय अरोरा का मार्गदर्शन युवाओं को मिला । शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया तत्पश्चात युवा सेवा संघ का परिचय, उद्देश्य, अनुभव

सत्र, जीवन में नियम-निष्ठा का महत्व, युवाधन सुरक्षा सत्र, संगठन को कैसे मजबूत करें, तुलसी पूजन एवं मातृ-पितृ पूजन प्रशिक्षण के साथ युवाओं का मानसिक, आध्यात्मिक व शारीरिक विकास कैसे ही इस पर भी सत्र लिए गए । साथ ही योगासन, प्रणायाम का अभ्यास करवाकर ध्यान की गहराई में जाने के बारे में बताया गया। सूर्य भगवान को सामूहिक अर्घ्य देकर युवाओं ने पंचगव्य का सेवन किया जिससे शरीर के हड्डियों तक के रोगों में लाभ होता है। शिविर में युवाओं को सत्प्रेरणा देने वाली संतो-महापुरुषों की जीवन पर आधारित वीडियो दिखाई गई ।

लाखों युवाओं का हुआ मार्गदर्शन, बदली जीवन की दिशा

योग वेदांत सेवा समिति के मोहन भाटिया, महेंद्र गुप्ता शर्मा ने बताया कि युवा देश की रीढ़ की हड्डी के समान है जितना मजबूत व संयमी एवं चरित्रवान होंगे उतना ही देश उन्नत व विकास की ओर अग्रसर होगा ।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सुदूर वनांचल ग्राम में बनें पुनर्वास केंद्र में किया आकस्मिक निरीक्षण

बहुआयामी कौशल प्रशिक्षण देकर आजीविकामूलक कार्यों से जोड़ने के दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा आज शाम कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के सुदूर वनांचल में बसे ग्राम मुल्ला के पुनर्वास केन्द्र में आकस्मिक प्रवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवाओं को दिए जा रहे कौशल विकास प्रशिक्षण का जायजा लिया। उन्होंने पुनर्वासित युवाओं से मुलाकात की और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को उनकी सभी मूलभूत समास्याओं का विशेष ध्यान रखने को निर्देशित किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें प्रतिदिन कम से कम दो व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में एक से अधिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उन्हें अपेक्षाकृत अधिक कुशल बनाया जा सके जिससे उनके जीवन में दीर्घकालिक रोजगार मुहैया हो सके। शनिवार शाम को ग्राम मुल्ला पुनर्वास केन्द्र पहुंचे उपमुख्यमंत्री शर्मा ने युवाओं से शिक्षा-दीक्षा और खेती के संबंध में जानकारी ली, साथ ही उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को पुनर्वासित परिवार के सदस्यों से पुनर्वास केन्द्र में मुलाकात की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड भी बनवाने एवं स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के निर्देश भी दिए। मुख्यधारा में लौटे युवाओं को परिवार की सहमति होने पर पुनर्वास केंद्र में ही सामूहिक विवाह की व्यवस्था कराने के लिए कहा गया। उन्होंने युवाओं को विधानसभा सत्र के दौरान रायपुर भ्रमण कराकर उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जानकारी देने और उन्हें कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि माओवाद विचारधारा से मुख्यधारा में लौटे युवक-युवतियों को वर्तमान में कौशल प्रशिक्षण केंद्र मुल्ला भानुप्रतापपुर में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। पुनर्वास केंद्र में उन्हें काष्ठ शिल्प, राज मिस्त्री तथा इलेक्ट्रिशियन जैसे एडवांस ट्रेड्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्तमान में यहां कुल 66 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें 52 पुनर्वासित युवक एवं 14 प्रभावित परिवारों के सदस्य शामिल हैं। जिसमें 36 युवाओं को काष्ठ शिल्प, 15 युवाओं को राज मिस्त्री तथा 15 युवाओं को इलेक्ट्रिशियन ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे स्वावलंबी होकर अपने परिवार एवं समाज के आर्थिक विकास में योगदान देते हुए आत्मनिर्भर बने और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलेसेला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाली, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, एसडीएम भानुप्रतापपुर जी.डी.

सुषमा के स्नेहिल सृजन

बाल साहित्य .....-हाथी

लम्बी सूँड़ हिलाता हाथी।
'सुषमा' सुंदर प्यारा साथी।।
भारी भरकम उसकी काया।
देख जिसे गोलू घबराया।।
झूम-झूम कर जब वह आता।
सर्कस में फिर खेल दिखाता।।
खेल दिखाकर हृदय लुभाता।
तोड़ डालियाँ पेड़ झुकाता।।
सूँड़ उठाकर पानी पीता।
उसके बिन जंगल है रीता।।
केला उसका भोजन प्यारा।
हम बच्चों का बड़ा दुलारा।।
नदी ताल में खूब नहाता।
पेड़ों से पत्ते वह खाता।।
मन से भोला है मतवाला।
कान बड़े और तन है काला।।

..सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर छ.ग.) *

सुप्रभात मधुर वंदन

महेन्द्र कुमार बागडोदिया को व्यापारियों को हर तरह से सहयोग करने के सम्मानित किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

गोल बाजार मर्चेंट एसोशिएशन के सतीष जैन एवं सभी पदाधिकारियों ने महेन्द्र कुमार बागडोदिया को उनके गोल बाजार नित्य हर व्यापारियों को हर तरह से सहयोग करने के सम्मानित किया एवं भविष्य में भी गोल बाजार मर्चेंट एसोशिएशन को अपनी सेवा देते रहे।

सतीष जैन अध्यक्ष मुरली शर्मा कार्य कार्यकारी अध्यक्ष महासचिव कलीराम साहू जितेन्द्र सोना कोषाध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारियों गोल बाजार मर्चेंट एसोशिएशन।

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के तत्वावधान में जश्न वंदे मातरम कार्यक्रम का भव्य आयोजन

वंदे मातरम केवल गीत नहीं, त्याग और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है - श्यामबिहारी जायसवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को राज्य वक्फ बोर्ड के तत्वावधान में राजधानी रायपुर में जश्न वंदे मातरम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि –

वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, त्याग और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है। आज यह देखकर गर्व होता है कि मुस्लिम समाज के भाई-बहन भी इस गीत को पूरे उत्साह और सम्मान के साथ गा रहे हैं। यही सच्चा भारत है, जहां धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र सर्वोपरि होता है। कार्यक्रम में राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने कहा कि 'वंदे मातरम' एकता, सद्भाव और देशभक्ति का गीत है, जिसे आज मुस्लिम समाज के सभी लोगों ने एक स्वर में गाया। उन्होंने कहा –

जो मौलवी वंदे मातरम गाने या भारत माता की जय बोलने से मना करते हैं, वे इस देश की एकता और भावना के विरोधी हैं।

इस अवसर पर मौलाना और मुस्लिम समाज के वरिष्ठ गणों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों की गूंज और तिरंगे झंडे के साथ वातावरण पूरी तरह राष्ट्रभक्ति से सराबोर रहा।

राजेश मूणत-महापौर मीनल एक करोड़ के नए विकास कार्यों का भूमिपूजन कर दी शानदार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन 5 अंतर्गत डी डी नगर वार्ड क्रमांक 40 में पहुंचकर आज प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने एमआईसी सदस्य श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, जोन 5 जोन अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, डी डी नगर वार्ड क्रमांक 40 के पार्षद आशु चंद्रवंशी सहित छग राज्य बाल और महिला संरक्षण आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शताब्दी पाण्डे, पूर्व पार्षद श्रीमती मधु चंद्रवंशी, गोपी साहू, दिलीप साहू, कुंवर रजियंत सिंह ध्रुव, सेवानिवृत्त शिक्षक प्रशांत देशपांडे, नगर निगम रायपुर के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता हेमंत शर्मा, सेवा भारती संस्थान पदाधिकारी, सरस्वती शिशु मन्दिर रोहिणी पुरम की प्राचार्य, शिक्षक- शिक्षिकाओं, आचार्यो, छात्र -छात्राओं, नगर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, महिलाओं, वार्ड के रहवासियों, आमजनों, नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में नगर निगम जोन 5 अंतर्गत पण्डित दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड क्रमांक 40 क्षेत्र अंतर्गत सरस्वती शिशु मन्दिर रोहिनीपुरम के पास मुख्यमार्ग में डब्ल्यूबी एम सड़क डामरीकरण कार्य 50 लाख रूपये, सेंचुरी सीमेंट कॉलोनी के शिशु मन्दिर में हाल का निर्माण 10 लाख रूपये निर्माण 10 लाख रूपये में शीघ्र करने श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर कुल 101 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नए विकास कार्यों का भूमिपूजन कर शानदार सौगात दी.

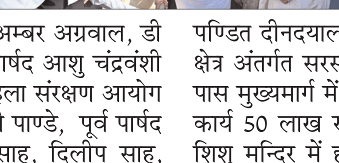

2 ईनामी नक्सली गिरफ्तार विस्फोटक सामान जब्त

सुकमा, प्रतिदिन राजधानी

सुकमा जिले के थाना चिंतलनार क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को विस्फोटक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 5 लाख रुपये का ईनाम घोषित था, जिसमें एक नक्सली पर 3 लाख एवं एक नक्सली पर 2 लाख रूपये का ईनाम घोषित है।

पुलिस का कहना है कि दोनों व्यक्ति गोमगुड़ा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से आईईडी लगाने की गतिविधि से जुड़े थे।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए नक्सलियों में ताती बंडी, मिलिशिया कमांडर, ईनाम 3 लाख निवासी ग्राम गोमगुड़ा, थाना पामेड, जिला बीजापुर, पादाम हड़मा डीएकेएमएस अध्यक्ष, ईनाम 2 लाख निवासी गुंडराजगुड़ा, थाना पामेड़, जिला बीजापुर है।

पुलिस के अनुसार, कार्रवाई में थाना चिंतलनार पुलिस, डीआरजी सुकमा, 203 कोबरा बटालियन ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर सूचना के बाद क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया, जिसके दौरान ग्राम भीमापुरम के जंगल के निकट दोनों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार किए गए नक्सलियों के विरुद्ध थाना चिंतलनार में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने कहा कि जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

धरातल पर नजर आए योजनाओं के क्रियान्वयन का परिणाम-कमिश्नर डोमन सिंह कमिश्नर डोमन सिंह ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बस्तर संभाग के सभी सीईओ जिला पंचायत की बैठक लेकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय योजनाओं का परिणाम धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए, इस दिशा में प्रत्येक जरूरतमंद पात्र ग्रामीणों को लक्षित कर उन्हें योजनाओं से सेचुरेशन किया जाए। बस्तर अंचल के नियद नेल्लानार योजना क्षेत्रों में विशेष तौर पर योजनाओं के कारगर कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रीत कर हरेक योजनाओं का सेचुरेशन सुनिश्चित किया जाए।

कमिश्नर सिंह ने कहा कि शासन की मंशा ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास की है। इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं और योजनाओं का लाभ पात्र

हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाएं। उन्होंने बस्तर ईलाके के युवाओं को रचनात्मक कार्यों से जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से बस्तर ओलम्पिक का सफल आयोजन करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

क्षय रोग एवं मोतियाबिंद मुक्त बस्तर के लिए करें सार्थक प्रयास

कमिश्नर ने क्षय रोग एवं मोतियाबिंद मुक्त बस्तर बनाने के लिए क्षय रोग एवं मोतियाबिंद पीड़ितों की पहचान के उपरांत उनका सघन उपचार हेतु जनसहभागिता पर जोर देते हुए कहा कि क्षय रोग पीड़ितों की मदद हेतु ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों सहित अधिकारियों-कर्मचारियों को निक्षय मित्र बनाएं और इन क्षय पीड़ितों को आवश्यक पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाएं। साथ ही ग्राम पंचायतों एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के सहयोग से क्षय पीड़ितों को नियमित तौर पर समझाइश दी जाए। उन्होंने मोतियाबिंद उन्मूलन के लिए सबसे पहले दो आंखों में मोतियाबिंद पीड़ितों के ऑपरेशन किए जाने कहा और निर्धारित एसओपी के अनुरूप जिला अस्पतालों में ऑपरेशन थियेटर की उपलब्धता पर ऑपरेशन शिविर आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही वर्तमान में चिन्हित मोतियाबिंद पीड़ितों को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल सहित महारानी अस्पताल के अम्बक नेत्र चिकित्सालय से लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए।

स्कूली बच्चों को न्यौता भोज से करें लाभान्वित

कमिश्नर ने प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों को न्यौता भोज से लाभान्वित किए जाने के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों, मैदानी अमले के सहयोग सहित स्थानीय ग्राम पंचायतों और पंचायत पदाधिकारियों एवं प्रमुख व्यक्तियों की सहभागिता से न्यौता भोज का आयोजन करने कहा।

लापरवाह सचिवों पर होगी कार्रवाई - सीईओ

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जयंत नाहटा द्वारा सीईओ, जनपद पंचायत, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, एसडीओ, उप अभियंता , पीओ नरेगा, बीपीएम एनआरएलएम, बीसी आवास, एसबीएम एवं तकनीकी सहायकों की बैठक ली गई। इस दौरान विभिन्न योजनाओं की प्रगति संबंधी जानकारी ली गई। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)-वर्ष 2024-26 में स्वीकृति हेतु लंबित 930 आवास हितग्राहियों से आवष्यक दस्तावेज संकलित कर 01 सप्ताह के भीतर शतप्रतिशत स्वीकृत करने, पहुँच विहीन क्षेत्रों में दस्तावेज संकलन हेतु रोजगार सहायकों की ड्यूटी लगाकर संकलित कर अविलंब स्वीकृत किए जाने, तथा इस संबंध में जिला समन्वयक, आवास को प्रतिदिन वीसी के माध्यम से समीक्षा करने, 2677 स्वीकृत आवासों में प्रथम किस्त जारी एवं 3896 आवासों को प्लिंथ करने, के साथ-साथ आवास कार्य में रुचि नहीं रखने वाले सचिवों के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बैठक में विशेष परियोजना- अंतर्गत लक्ष्य अनुसार हितग्राहियों का सर्वे कार्य पूर्ण करने तथा स्वीकृत आवासों में प्रगति लाने, पंचायत सचिवों को आवासों को निरीक्षण कर कोबो एप्प में एन्ट्री किए जाने हेतु सभी सीईओ जनपद पंचायतों को निर्देषित भी किया गया।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत प्रगतिरत सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्यो को पूर्ण कराने, जनपद पंचायतों में मुक्तिधाम निर्माण हेतु प्रस्ताव अविलंब उपलब्ध कराने, व्यक्तिगत शौचालय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने तथा प्रति शनिवार स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु प्रचार-प्रसार करने को भी कहा गया।

तालाब में मिली लाश, जांच जारी

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित महादेव तालाब में शनिवार को एक अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नगर सेना की रेस्क्यू टीम की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला गया।

पुलिस ने शव को बरामद कर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आसपास के थानों में लापता व्यक्तियों की जानकारी मंगाई जा रही है।

बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

गांजा तस्करी के लिए गाड़ी में लिखवाया पुलिस

नाकाबंदी देख गाड़ी छोड़ भागे तस्कर, 5 लाख का गांजा जब्त

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

गांजा तस्करों ने अवैध समान को पार करने के लिए हजारों पैंतरे अपनाये, लेकिन हर बार तस्करों के अभियान पर पानी फिर गया, वहीं इस बार तस्करों ने पुलिस को चखमा देने के अपनी गाड़ी में आगे पीछे पुलिस लिखा बोर्ड लगाने के साथ ही ऊपर सायरन लगा रखा था, जिससे कि किसी को शक ना हो, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने इस तस्करों के अभियान को फेल करते हुए गाड़ी को पकड़ा, जबकि आरोपी अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। पकड़े गए गांजे की कीमत 5 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। तस्करों ने गांजा के 11 पैकेट को पीछे सीट के पीछे छुपा कर रखा हुआ था।

मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग ने बताया कि 5 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद रंग की स्कार्पियो में दो व्यक्ति गांजा रखकर ओडिशा प्रांत से धनपुंजी होते हुए जगदलपुर के माध्यम से गांजा तस्करी करने वाले हैं।

सूचना मिलते ही टीम ने ग्राम धनपुंजी फारेस्ट नाका एनएच 63 मेनरोड के पास पहुंच कर नाकाबंदी की। कुछ समय बाद सफेद रंग के स्कार्पियो आता हुआ दिखाई दिया। स्कार्पियो वाहन चालक ने जैसे ही पुलिस को नाकाबंदी किया हुआ देखा तो उसने कुछ दूरी पहले वाहन को खड़ा कर अपने साथी के साथ अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल झाड़ी की आड़ लेकर मौके से भाग निकले। पुलिस टीम के द्वारा वाहन चालक एवं इसके साथी की खोजबीन की जा रही है, वहीं स्कार्पियो को जब्त कर उसकी तलाशी ली तो वाहन के पीछे सीट के नीचे 11 पैकेट गांजा सेलोटेप से लिपटा हुआ जिसकी कुल 56.605 किलोग्राम कीमत 5 लाख 66 हजार रूपये को बरामद कर स्कार्पियो वाहन कीमत 5 लाख रूपये करीब 10 लाख 66 हजार रूपये को जब्त किया गया।

मिस्टर छत्तीसगढ़ बॉडीबिल्डिंग स्पर्धा में कोण्डागांव ने मारी बाजी

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

मिस्टर छत्तीसगढ़ बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर में किया गया था। जिसमें प्रथम स्थान मयंक व सोमेश्वर स्काई फिट जिम के सदस्य ने द्वितीय स्थान प्राप्त करके कोंडागांव का नाम रोशन किया है। जिम के सदस्य करन देवांगन जीम संचालक योगेश जीम ट्रेनर सदस्य अजय नाग रोशन यादव हरीश यादव, रोशन विश्वकर्मा डेविड आदि के द्वारा शुभकामनाएं दी गई, व बताया कि रायपुर में आयोजित बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप 2025 मिस्टर छत्तीसगढ़ 52 किलो कैटेगरी में पूरे छत्तीसगढ़ में पहले स्थान पर समेश्वर पाण्डेय व दूसरा स्थान रोशन ने प्राप्त किया है। जिनको सीनू के नाम से जाना जाता है कोंडागांव से महज 15 किलोमीटर दूर स्थित एक छोटे से गांव सातगांव के रहने वाले हैं । इन्होंने रोजाना मेहनत करके लगभग 8 महीना में ही स्काई फिट जिम के सहयोग से यह स्थान प्राप्त किया है।

इससे पहले इन्होंने धमतरी जिला के नगरी ब्लॉक में आयोजित पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भी एक गोल्ड एक सिल्वर मेडल प्राप्त किया हैं । इस प्रतियोगिता में चयनित होने से जिम के सभी सदस्य बहुत उत्साहित है ।

लोधी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन कुमार डेविड का स्वागत

राजनांदगांव , प्रतिदिन राजधानी

बड़े ही हर्ष की बात है कि लोधी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मान्यवर विपिन कुमार डेविड (वर्तमान विधायक एटा विधानसभा उत्तर प्रदेश सरकार) का राजनांदगांव प्रवास के दौरान बड़े ही गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया ।

पूर्व तय प्रोटोकॉल के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष का संस्कारधानी राजनांदगांव में प्रात: 11 बजे होटल राज इम्पीरियल में आगमन हुआ । उनके साथ में हरपाल सिंह लोधी राजस्थान (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोधी समाज) एवं राकेश सिंह लोधी अधिवक्ता जिला आगरा (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लोधी समाज) भी उपस्थित रहे । जहां लोधी समाज राजनांदगांव के समस्त सामाजिक बंधुओं द्वारा बाजा गाजे , आतिशबा एवं फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया । चूँकि लोधी समाज राजनांदगांव द्वारा आए हुए समस्त अतिथियों के लिए होटल राज इम्पेरियल में स्वल्पाहार का व्यवस्था किया गया था । जहाँ स्वल्पाहार एवं आपस में परिचर्चा पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने अगले गंतव्य की ओर प्रस्थान किए उक्त कार्यक्रम में प्रदेश युवा लोधी समाज के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद लोधी (लच्छू भैया) , जिला युवा लोधी समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राघव वर्मा , डोंगरगढ़ सर्किल अध्यक्ष ओंकार लिल्हारे , लक्ष्य संगठन के प्रदेश महासचिव दानेश्वर लिल्हारे , जिला युवा लोधी समाज के महासचिव इं. सीतेश वर्मा , माननीय रिखी राम लिल्हारे , माननीय हरेंद्र वर्मा , डोंगरगांव सर्किल लोधी समाज उपाध्यक्ष जितेंद्र लोधी , लोधी समाज पूर्व युवा उपाध्यक्ष पिंटू वर्मा , भाई सोनू वर्मा , भाई भूषण वर्मा , भाई नोमेश वर्मा , भाई शिव वर्मा एवं समाज के अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे ।

एसआईआर: गणना में आंकड़े हो सटीक- कुणाल

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल दुदावत ने दंतेवाड़ा में एसआईआर (सामाजिक, आर्थिक और बुनियादी ढांचा रजिस्ट्री) गणना कार्य का शुक्रवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भैरमबंद एवं बालपेट का दौरा कर गणना पत्रक वितरण की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। श्री दुदावत ने मौके पर उपस्थित बीएलओ और सुपरवाइजरों से पत्रक वितरण, संधारण और सर्वेक्षण की पारदर्शिता संबंधी जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।

इस दौरान श्री दुदावत ने कहा कि एसआईआर गणना जिले के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है, अत: इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गणनाकर्मी को गणना पत्रक समय पर वितरित किए जाएं, ताकि सर्वेक्षण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए फील्ड सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए, जिससे आंकड़े सटीक और भरोसेमंद हों।

निरीक्षण के दौरान उन्होंनें बीएलओ से ग्रामवार स्थिति की जानकारी ली। बीएलओ ने बताया कि भैरमबंद ग्राम में कुल 253 मतदाता हैं, जिनमें से 173 गणना पत्रक वितरित किए जा चुके हैं।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ स्कूलों में सामूहिक गायन समारोह

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर समूचे देश के सभी शासकीय विद्यालयों में सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में सेजेस अलनार और डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल उलनार में भी यह कार्यक्रम देश भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पूरे देशभर में एक साथ आयोजित किया गया। विद्यालयों में आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम् ' का गायन किया, जिससे वातावरण देशभक्ति के स्वर से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सीधा प्रसारित संबोधन के साथ हुआ, जिसे सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम् ' केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत माता के प्रति प्रेम, सम्मान और त्याग की भावना का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए एक सशक्त भारत के निर्माण में योगदान दें।

प्रधानमंत्री के संदेश के पश्चात विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। विद्यालय परिसर में देशभक्ति और गर्व की भावना स्पष्ट रूप से झलक रही थी। छात्र-छात्राएं अपने स्वर में मातृ भूमि को नमन कर रहे थे, और पूरा परिसर 'वंदे मातरम् ' के गूंजते स्वरों से भर गया।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में उत्साह से मना भारत स्काउट्स एंड गाइड्स स्थापना दिवस

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की स्थापना दिवस के अवसर पर पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, कोंडागांव में सामुदायिक सहभागिता एवं सेवा भावना से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के स्काउट्स और गाइड्स दल ने शासकीय प्राथमिक शाला, बंधापारा का दौरा किया और बच्चों के साथ मिलकर स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान स्टाफ नर्स सुश्री नुरंजना देवांगन ने विद्यार्थियों को हाथ धोने की सही विधि सिखाई तथा स्वच्छता के महत्व पर प्रेरक संदेश दिए। इसके पश्चात् स्काउट्स एवं गाइड्स ने विद्यालय परिसर की सफाई अभियान चलाकर च्स्वच्छता ही सेवाज्ञ के मूल मंत्र कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य नंदकिशोर वासनिक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अक्षय आर्य, सच्चिदानंद तिवारी, साक्षी चंद्राकर एवं आदित्य सिद्धार्थ के सहयोग से विद्यार्थियों ने अनुशासन, सहयोग और समर्पण की मिसाल प्रस्तुत की।

कबड्डी स्पर्धा में कोटियागुड़ा की टीम विजेता

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मिचनार 02 में तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में ग्राम कोटियागुड़ा और कोटवेल की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें कोटियागुड़ा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं कोटवेल की टीम उपविजेता रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि योगेश बैज ने विजेता टीम को चमचमाती ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। ग्राम सरपंच जोगाराम पोयाम ने बताया कि यह आयोजन पर्यटन स्थल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कराया गया है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से स्थानीय पर्यटन स्थलों को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ेगी। जोगाराम पोयाम ने आगे बताया कि वर्तमान में यह प्रतियोगिता संभाग स्तरीय है, लेकिन आने वाले समय में इसे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के रूप में आयोजित किया जाएगा।

उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिले की कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार, उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं के बेहतर प्रबंधन और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का निर्माण किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अध्यक्षता में 7 नवंबर को आयोजित बैठक में इस कंट्रोल रूम के निर्माण पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला नोडल अधिकारी आरसीएच, महिला एवं बाल विकास विभाग, आईसीडीएस विभाग और यूनिसेफ कोण्डागांव के डीपीओ सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कंट्रोल रूम का उद्देश्य और कार्यप्रणाली

उद्देश्य: उच्च जोखिम गर्भवती माताओं के संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना और मातृ मृत्यु की संभावित कारणों में कमी लाना है। पंजीकृत मोबाइल नंबर पर निगरानी: उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की विस्तृत जानकारी और उनके लक्षणों पर चर्चा के बाद, कंट्रोल रूम उनके पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर कॉल कर निगरानी करेगा।

स्कूल के विद्यार्थियों का औद्योगिक भ्रमण

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनंतपुर में व्यायसायिक शिक्षा ले रहे छात्र छात्राओं के लिए मॉडरन मोटर्स (स्वराज ट्रैक्टर) उमरकोट(ओडिशा) में 6 नवंबर को एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

इस भ्रमण में ऑटोमोबाइल ट्रेड के कक्षा 9वी से 12वीं तक के 100 बच्चों ने हिस्सा लिया ,जिसे उनके लिए ज्ञानवर्धक और उपयोगी बताया गया है। मॉडरन मोटर्स (स्वराज ट्रैक्टर) उमरकोट में स्वराज ट्रैक्टर के सर्विसिंग से संबंधित और अन्य मॉडलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। रोजगार शिक्षा को बढ़ावा - संस्था के प्राचार्य दिलीप कुमार कोमरे ने इस भ्रमण को सफल बताते हुए कहा है कि यह दिलीप कुमार कोमरे के मार्गदर्शन में और साथ ही मॉडरन मोटर्स के संचालक श्री मनोज शर्मा, श्रीमती सुशीला शर्मा , व्यावसायिक शिक्षक श्री संतोष कुमार यादव और संस्था

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 में 9 रन से हराया

कीवी टीम सीरीज में 2-1 से आगे, आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बना सकी वेस्टइंडीज

नई दिल्ली।

न्यूजीलैंड ने रविवार को नेल्सन में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 9 रन से हरा दिया। कीवी टीम ने इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए, जिसके जवाब में कैरेबियाई टीम 19.5 ओवर में 168 रन पर ऑलआउट हो गई।

वेस्टइंडीज को आखिरी ओवर में जीत के लिए 12 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम यह टारगेट हासिल नहीं कर सकी। अब दोनों टीमें चौथा टी-20 मुकाबला कल यानी 10 नवंबर को नेल्सन में ही खेलेंगी, जहां वेस्टइंडीज सीरीज में बराबरी की कोशिश करेगी।

ईश सोढी प्लेयर ऑफ द मैच : 178 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अमीर जंगू 13 रन के स्कोर पर आउट हो गए। जंगू (5) को जैकब डफी ने बोल्ड कर दिया। दूसरा विकेट 15 रन के स्कोर पर गिरा। शाई होप (1) को ईश सोढ़ी ने आउट किया। इसके बाद एकीम ऑगस्टे और एलिक एथानजे ने पारी को संभालने का काम किया, लेकिन कीवी गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के लिए एक भी पार्टनरशिप को मजबूत नहीं होने दिया। ऐसे में टीम ने 88 रन के स्कोर पर अपने 8 विकेट गंवा दिए।
लेकिन, लोअर ऑर्डर में रोमारियो शेफर्ड ने 49 और शमार स्प्रिंगर ने 20 गेंद में 39 रन की पारी खेलकर मैच को रोमांचक बपना दिया।

हालांकि, इसके बावजूद टीम आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बनी सकी और मैच 9 रन से हार गई। ईश सोढी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा डफी ने भी 3 विकेट लिए। इन दोनों के बाद काइल जैमीसन, माइकल ब्रेसवेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किए।

कॉन्वे का अर्धशतक

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 में डेवोन कॉन्वे और टिम रॉबिन्सन ने न्यूजीलैंड के लिए जबरदस्त शुरुआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की पार्टनरशिप हुई। हालांकि, रॉबिन्सन 21 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा कॉन्वे ने 34 गेंद में 56 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरे डेरिल मिचेल ने भी 24 गेंद में 41 रन की पारी खेली, जबकि रचिन रवींद्र ने 15 गेंद में 26 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट झटके। रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर को 1-1 मिला।

बीसीसीआई को एशिया कप ट्रॉफी विवाद के शीघ्र हल होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम को अबतक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिल पायी है पर अब इसके शीघ्र मिलने की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती थी पर उसने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष पाक के मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। उसके बाद नकवी ट्रॉफी लेकर चले गये थे। तभी से ही वह एसीसी मुख्यालय में रखी है। वहीं अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद ट्रॉफी से जुड़ा विवाद समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। वहां पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष नकवी भी मौजूद थे। इस दौरान मेरी नकवी से बात हुई थी। इसके बाद लगा कि वह भी अब इस मामले को आगे नहीं खींचना चाहते हैं। ऐसे में हम भी उन्हें अपनी गलती ठीक करने का अवसर देना चाहते हैं जिससे कि ये मामला हल हो सके। भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाय था उससे भी पीसीबी भारतीय टीम से भड़का हुआ था। इस मामले को लेकर पीसीबी ने आईसीसी से भी शिकायत की थी। एशिया कप मैच के बाद अवार्ड समारोह में एसीसी अध्यक्ष नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे पर भारतीय टीम ने इंकार कर दिया था। इसके बाद नकवी ट्रॉफ लेकर भाग गये थे। इस मामल की बीसीसीआई ने कड़ी आलोचना की थी।

ईसीबी ने खत्म किया कुकाबुरा गेंद का प्रयोग

लंदन।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2026 सीजन से काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंद के इस्तेमाल को समाप्त करने का फैसला किया है। यह निर्णय काउंटी क्रिकेट निदेशकों और पेशेवर खेल समिति से मिली प्रतिक्रिया के बाद लिया गया है। तीन साल पहले इस प्रयोग की शुरुआत खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की परिस्थितियों के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन यह उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। ईसीबी ने बताया कि कूकाबुरा गेंद के प्रयोग का परिणाम अपेक्षाकृत निष्प्रभावी रहा और अधिकांश मैचों में गेंदबाजों को कोई विशेष मदद नहीं मिली। इस सीजन में सरे और डरहम के बीच ओवल में खेला गया मुकाबला इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा, जहां मेजबान सरे ने 9 विकेट पर 820 रन बनाकर पारी घोषित की थी। कूकाबुरा गेंद का इस्तेमाल पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के मैचों में किया गया था। इसके बाद इसे 2024 और 2025 में चार-चार राउंड तक बढ़ाया गया।

एलिना राइबकिना ने डब्ल्यूटीए फाइनल जीता

टूर्नामेंट में उनका पहला खिताब, फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया

नई दिल्ली।

कजाकिस्तान की टेनिस खिलाड़ी एलिना राइबकिना ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस ईयर एंडिंग टूर्नामेंट के फाइनल में छठी सीड राइबकिना ने वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को लगातार सेट में 6-3, 7-6 से हराया। 26 साल की राइबकिना पहली बार यह खिताब जीतने में सफल रहीं। उन्होंने टूर्नामेंट में सभी पांचों मुकाबले जीते। इसी के साथ उन्हें 46 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिली। राइबकिना ने टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर-1 (सबालेंका)और वर्ल्ड नंबर-2 (इगा स्वातेक) दोनों को हराया। यह उनके करियर का 11वां टाइटल है। उन्होंने इस साल तीसरी बार कोई ट्रॉफी उठाई।

तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स में साबालेंका पहुंची थी

साबालेंका ने खेले गए पहले सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हरा कर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया था। वह तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताब के लिए क्वालीफाई किया। सेमीफाइनल के पहले सेट में उन्होंने अनिसिमोवा को 6-3 से आसानी से हराया। हालांकि, दूसरे सेट में अनिसिमोवा ने शानदार वापसी की और 3-6 से यह सेट अपने नाम किया। निर्णायक तीसरे सेट में साबालेंका ने 4-3 की बढ़त लेकर जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद साबालेंका ने कहा, अगर मैं हार भी जाती तो भी फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि यह एक शानदार मैच था। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाने के लायक प्रदर्शन किया। जीतकर मैं बहुत खुश हूं।

राइबाकिना पहली बार फाइनल में पहुंची : राइबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 5 जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से मात दी। वह पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स में पहुंची। राइबाकिना ने जीत के बाद कहा,मैच की शुरुआत कठिन थी, लेकिन दूसरे सेट में मैं वापसी करने में सफल रही। निर्णायक सेट में मेरी सर्विस ने मुझे सही समय पर मदद की।

डब्ल्यूटीए फाइनल: चार ग्रैंड स्लैम के बाद सबसे बड़ा महिला टेनिस टूर्नामेंट : महिला टेनिस के वार्षिक कैलेंडर में डब्ल्यूटीए फाइनल को चार ग्रैंड स्लैम के बाद सबसे अहम टूर्नामेंट माना जाता है। इसमें पूरे सीजन के प्रदर्शन के आधार पर टॉप आठ सिंगल्स और टॉप आठ डबल्स टीमें हिस्सा लेती हैं। अगर किसी साल किसी खिलाड़ी या टीम ने ग्रैंड स्लैम जीता है, लेकिन उनकी रैंकिंग 9वें से 20वें स्थान के बीच है, तो उन्हें भी आठवें स्थान के रूप में टूर्नामेंट में जगह दी जा सकती है। यह टूर्नामेंट 1972 में वर्जीनिया स्लिम्स सर्किट चैंपियनशिप के रूप में शुरू हुआ था, जो बाद में डब्ल्यूटीए टूर फाइनल्स के नाम से जाना जाने लगा।

ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार : मार्क वुड

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है। वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है। लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा। पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, और वुड इस मैदान पर खेलने को लेकर खासे उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, पर्थ का विकेट तेज और उछाल भरा है, और मैं इस पिच पर गेंदबाजी करने के लिए बेहद उत्सुक हूं।

वर्ल्डकप जीतने के बाद जेमिमा की महिला बिग बैश लीग में खराब शुरुआत

मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 6 रन बनाकर आउट, ब्रिस्बेन हीट 7 विकेट से हारी

ब्रिस्बेन।

पिछले हफ्ते भारत को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाली जेमिमा रोड्रिग्स की कॉम्पीटिव क्रिकेट में वापसी निराशाजनक रही है। वे रविवार को ऑस्ट्रेलियाई में चल रही महिला बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 6 रन ही बना पाईं। जेमिमा की टीम ब्रिस्बेन हीट 7 विकेट से हार गई। 33 साल की जेमिमा 9 गेंद खेलने के बाद एलिस कैप्सी की गेंद पर बैकवर्ड पॉइंट पर डिएंड्रा डॉटिन के हाथों कैच आउट हो गई। जेमिमा ने 2 नवंबर को भारतीय टीम की ओर से विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जीता था। भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराया। जेमिमा ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 127 रन की पारी खेली थी। उन्होंने उस पारी पर मजाकिया अंदाज में कहा- मुझे लगा कि उस पारी के ऑस्ट्रेलियन मुझे बॉर्डर पार नहीं करने देंगे।

रोड्रिग्स ने फैंस को निराश किया : रोड्रिग्स की इस वापसी ने उनके बढ़ते फैंस को निराश किया, लेकिन उनकी मौजूदगी ने मुकाबले में स्टार वैल्यू का तड़का लगाया। ब्रिस्बेन हीट ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें जेमिमा मुस्कुराते हुए मैदान की ओर जाती दिखाई दे रही हैं। जेमिमा ने इस वीडियो में कहा- मैं यहां ब्रिस्बेन में हूं, क्या आप यकीन कर सकते हैं, आज के लिए बहुत उत्साहित हूं, चलो शुरू करते हैं।

हीट के लिए नादिन डी क्लार्क (38 गेंदों पर 40) और चिनेल हेनरी (22 गेंदों पर 29) ने डटकर सामना किया लेकिन रेनेगेड्स के स्पिनरों ने मैच पर दबदबा बनाए रखा और टीम की पारी 20 ओवर में 133 रन पर ही सिमट गयी।

जवागल श्रीनाथ की रफ्तार से कांपते थे बल्लेबाज : वेंकटपति राजू

नई दिल्ली।

90 के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाजी का चेहरा रहे जवागल श्रीनाथ को आज की युवा पीढ़ी भले ही उतना न जानती हो, लेकिन एक समय था जब उनकी रफ्तार से दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज भी खौफ खाते थे। कपिल देव के संन्यास के बाद श्रीनाथ ने लंबे समय तक भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की अगुवाई की और कई मुकाबलों में भारत को यादगार जीत दिलाई। उन्होंने 348 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 551 विकेट लेकर अपने नाम सुनहरा अध्याय दर्ज किया। श्रीनाथ ने 1991 में टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने शुरुआती दिनों में ही उन्होंने ऐसी तेज गेंदबाजी दिखाई कि सीनियर खिलाड़ी भी उनसे परेशान हो उठे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटपति राजू ने एक पॉडकास्ट में इस बात का खुलासा किया कि एक बार नेट्स पर दिलीप वेंगसरकर, श्रीनाथ की गति से इतने चकित हुए कि उन्होंने गुस्से में उन्हें गाली तक दे दी। राजू ने बताया कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में भारत के पास मनोज प्रभाकर जैसे स्विंग गेंदबाज और चेतन शर्मा जैसे फुर्तीले गेंदबाज थे, लेकिन उनमें निरंतरता की कमी थी। ऐसे में जब जवागल श्रीनाथ आए, तो टीम को एक असली तेज गेंदबाज मिल गया। इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए बेंगलुरु में अभ्यास सत्र चल रहा था, जहां श्रीनाथ को टीम के बल्लेबाजों को नेट्स पर गेंदबाजी करने का मौका मिला। प्रैक्टिस के दौरान श्रीनाथ ने वेंगसरकर को एक तेज शॉर्ट पिच गेंद फेंकी। गेंद की रफ्तार इतनी थी कि वेंगसरकर का बल्ला हाथ से छूट गया। गुस्से में उन्होंने श्रीनाथ को डांटते हुए कहा, मैच में आकर दिखाना! श्रीनाथ ने जवाब में कुछ नहीं कहा, बस मुस्करा दिए। कुछ समय बाद देवधर ट्रॉफी में दोनों आमने-सामने हुए। उस मैच में बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन की कप्तानी रवि शास्त्री कर रहे थे। उन्होंने श्रीनाथ को वेंगसरकर की वही बात याद दिलाई और कहा, पहली गेंद बाउंसर डालना। श्रीनाथ ने कप्तान की बात मानी और पहली ही गेंद पर वेंगसरकर को फिर से झटका दे दिया इस बार भी उनका बल्ला हाथ से छूट गया। वेंगसरकर ने बाद में कहा, बहुत तेज डालता है यह लड़का। यही वह पल था जब श्रीनाथ ने भारतीय क्रिकेट में अपनी पहचान एक खतरनाक फास्ट बॉलर के रूप में बना ली एक ऐसा गेंदबाज जो रफ्तार से खेल की दिशा बदल सकता था।

जोकोविच ने हेलैनिक चैंपियनशिप्स 2025 जीता

लेकिन एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेकर सब को चौंकाया

नई दिल्ली।

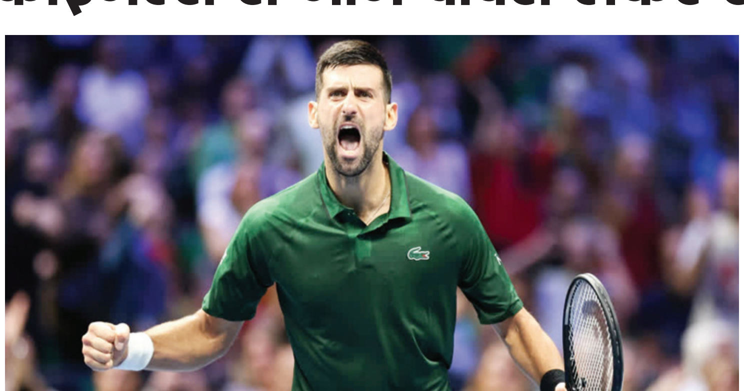

सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप के फाइनल में इतालवी खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी को कड़े मुकाबले में 4-6, 6-3, 7-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह मैच करीब तीन घंटे तक चला, जिसमें निर्णायक सेट में 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच सर्विस ब्रेक देखने को मिले। लेकिन इस शानदार जीत के मात्र कुछ घंटों बाद ही 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने एटीपी फाइनल्स से चोट के कारण नाम वापस लेने की घोषणा कर फैंस को स्तब्ध कर दिया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले सेट में मुसेट्टी ने 6-4 से बढ़त बनाई, लेकिन जोकोविच ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज की। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त संघर्ष किया। कुल 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच ब्रेक के साथ यह सेट 7-5 से जोकोविच के पक्ष में गया। यह जीत जोकोविच के लिए हार्ड कोर्ट पर 72वां टूर-स्तरीय खिताब साबित हुई, जिससे उन्होंने ओपन एरा में सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में स्विस लीजेंड रोजर फेडरर की बराबरी कर ली। दूसरी ओर, मुसेट्टी को एटीपी टूर फाइनल में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। 22 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 2022 में हैम्बर्ग और नेपल्स में अपने करियर के पहले दो खिताब जीते थे, लेकिन इस हार के बावजूद वे जोकोविच की जगह ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में भाग लेंगे।

चोट ने फिर दी झटका, 2024 की याद ताजा : जीत के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर अपनी घोषणा की: मुझे दुख है कि चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है। मुझे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। मैं उन फैंस से माफी चाहता हूं, जो मुझे खेलते हुए देखने की उम्मीद कर रहे थे। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह दूसरी बार है जब जोकोविच चोट के कारण एटीपी फाइनल्स मिस कर रहे हैं। साल 2024 में भी वे इसी वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। उम्र के इस पड़ाव पर चोटें उनके करियर की बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं, लेकिन उनकी फिटनेस और मानसिक मजबूती हमेशा सराहनीय रही है।

ग्रीस को समर्पित जीत और मुसेट्टी को बधाई : मैच के बाद जोकोविच ने जीत को ग्रीस के लोगों को समर्पित किया। उन्होंने कहा, मैं यह जीत ग्रीस के लोगों को समर्पित करता हूं। आप मेरा समर्थन करते हैं।

आप टेनिस का समर्थन करते हैं। आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया है। यह जीत यहां इतने सारे परिवारों के साथ और भी खास लगती है। इस खूबसूरत टूर्नामेंट को इतना खास बनाने वाले सभी लोगों का भी बहुत-बहुत आभार। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए जोकोविच ने मुसेट्टी की तारीफ की: मुसेट्टी, क्या शानदार मुकाबला था। अविश्वसनीय प्रदर्शन और टूर्नामेंट के लिए बधाई। इसे जारी रखो, तुम्हारा भविष्य उवल है।

ओलंपिक में नहीं होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला?

आईसीसी के इस नियम के चलते नहीं खेल पाएगा पाक टॉप 5 रैंक में होने के बावजूद न्यूजीलैंड भी बाहर

नई दिल्ली।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले ओलंपिक 2028 में करीब 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक में छह टीमें हिस्सा लेंगी और यह टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। लेकिन इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का मुक़ाबला फैंस को नहीं देखने मिलेगा। इसकी बड़ी वजह ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का नया नियम है।

वेस्टइंडीज की उम्मीदों को भी झटका : आईसीसी के नए क्वालिफिकेशन नियम के चलते पाकिस्तान का ओलिंपिक खेलना बेहद मुसकिल है। पाक के अलावा वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड की टीम भी इस टूर्नामेंट से बाहर हो सकती है। आईसीसी ने दुबई में हुई अपनी हालिया बोर्ड मीटिंग में स्पष्ट किया कि पुरुष और महिला दोनों वर्गों में केवल छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। यह चयन आईसीसी टी20 रैंकिंग के आधार पर नहीं होगा, बल्कि ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए निर्धारित क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली के तहत किया जाएगा। इस नियम के मुताबिक एशिया, ओशिनिया, यूरोप, और अफ्रीका की टॉप रैंक वाली टीमें स्वत: क्वालिफाई करेंगी। मेजबान देश होने के नाते अमेरिका को भी सीधा प्रवेश मिलेगा, जिससे वेस्टइंडीज की उम्मीदों को भी झटका लग सकता है।

भारत समेत ये टीमें करेंगी क्वालिफाई : इस नियम के तहत एशिया से सिर्फ एक टीम को सीधा स्थान मिलेगा और मौजूदा हालात में वह टीम भारत होगी, जो इस समय टी20 रैंकिंग में नंबर एक पर है। ऐसे में पाकिस्तान को ओलंपिक में शामिल होने के लिए या तो ग्लोबल क्वालिफायर जीतना होगा या आईसीसी को एशिया से दो टीमों को अनुमति देनी होगी। वर्तमान टी-20 रैंकिंग के आधार पर, भारत (एशिया), ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया), ग्रेट ब्रिटेन (यूरोप), और दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका) क्वालिफाई करेंगे। अमेरिका मेजबान के रूप में हिस्सा लेगा।

वर्ल्ड डायबिटीज डे : अपने रोजाना आहार में एक मुट्ठी कैलिफोर्निया बादाम शामिल करें

नई दिल्ली।

वर्ल्ड डायबिटीज डे हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य डायबिटीज के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सभी के लिए उपचार को सुलभ बनाना है। इस साल की थीम डायबिटीज इन द वर्कप्लेस है, जो कामकाजी लोगों के लिए मधुमेह को समझने और उसे सही तरीके से संभालने के महत्व पर जोर देती है। संतुलित आहार ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और दिन की शुरुआत पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ करने से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बादाम, जिनमें 15 आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हैं, जैसे प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और आहार फाइबर ब्लड शुगर के स्वस्थ नियंत्रण में सहायक होते हैं।

नई दिल्ली स्थित फोर्टिस सी-डॉक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डायबिटीज, मेटाबॉलिक डिजीजेज एंड एंडोक्रिनोलॉजी के प्रोफेसर और चेयरमैन डॉ. अनूप मिश्रा के नेतृत्व में किए गए हालिया अध्ययन में पाया गया कि भोजन से पहले बादाम का सेवन प्री-डायबिटीज और मोटापे से ग्रस्त एशियाई भारतीयों में ब्लड शुगर नियंत्रण को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाता है। अपनी पोषक समृद्धता और बहुपयोगी गुणों के कारण बादाम दैनिक भोजन और स्नैक्स में आसानी से शामिल किए जा सकते हैं, जो समग्र मेटाबॉलिक हेल्थ को समर्थन देते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे खाद्य पदार्थ खाते हैं जो ज्यादा प्रसंस्कृत होते हैं और जिनमें चीनी व रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है। यही आदतें मधुमेह जैसी बीमारियों को बढ़ावा दे रही हैं। भारत, जिसे डायबिटीज की राजधानी कहा जाता है, अब इस समस्या से गंभीर रूप से जूझ रहा है। इंडियन कौंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के एक हालिया अध्ययन के मुताबिक देश में 101 मिलियन लोग डायबिटीज से ग्रस्त हैं और 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं। रिसर्च से पता चला है कि बादाम न केवल स्वस्थ ब्लड शुगर स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं, बल्कि टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में ग्लूकोज नियंत्रण को भी बेहतर बनाते हैं तथा कार्बोहाइड्रेट-युक्त भोजन के बाद ब्लड शुगर के स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं, जो विशेष रूप से टाइप 2 डायबिटीज वाले व्यक्तियों के लिए लाभकारी हैं। न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णस्वामी ने कहा, डायबिटीज भारत में सबसे व्यापक नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज में से एक है, जो मुख्य रूप से असंतुलित खान-पान और निष्क्रिय जीवनशैली के कारण बढ़ रही है। इस वर्ल्ड डायबिटीज डे पर, मैं सभी से आग्रह करती हूँ कि अपने भोजन के प्रति सजग रहें। रोजमर्रा के आहार में बादाम, सब्जियाँ, स्प्राउट्स और ताजे फलों जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करने से ब्लड शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। बादाम प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और फाइबर से भरपूर होते हैं तथा इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, यानी ये ब्लड शुगर में अचानक वृद्धि नहीं होने देते। दिन की शुरुआत एक मुट्ठी बादाम से करने से ऊर्जा स्तर में सुधार, भूख पर नियंत्रण और प्रोसेस्ड फूड्स पर निर्भरता कम करने में मदद मिलती है। मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रीजनल हेड - डाइटेटिक्स, ऋतिका समद्दार ने कहा, लाइफ़स्टाइल और खानपान की आदतें डायबिटीज के प्रमुख कारणों में से हैं। एक संतुलित आहार, जिसमें दालें, कैलिफ़ोर्निया बादाम जैसे नट्स, हरी पत्तेदार सब्जियाँ और साबुत अनाज शामिल हों, ब्लड शुगर में अचानक बढ़ोतरी को रोकने में मदद करता है। विशेष रूप से बादाम कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं ये प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं और इनमें आहार फाइबर की मात्रा अधिक होती है। ये न केवल ब्लड शुगर स्तर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं, बल्कि टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों में ग्लूकोज नियंत्रण को भी बेहतर बना सकते हैं। साथ ही, ये कार्बोहाइड्रेट-युक्त खाद्य पदार्थों के प्रभाव को कम करने में सहायक होते हैं, जिससे फास्टिंग इंसुलिन स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। मैं अक्सर सलाह देती हूँ कि दिन की शुरुआत एक मुट्ठी बादाम से करें ताकि पूरे दिन की शुरुआत स्वस्थ तरीके से हो। बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा, एक स्वस्थ शरीर और मन की शुरुआत एक स्वस्थ आहार से होती है। मैं अपने खाने को लेकर बहुत सजग हूँ और सुनिश्चित करती हूँ कि अपने भोजन में कैलिफ़ोर्निया बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करूँ। मैं अधिक शक्कर और अधिक कार्बोहाइड्रेट वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करती हूँ, जो ब्लड शुगर में अचानक बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके बजाय, बादाम मुझे पूरे दिन ऊर्जावान और संतुलित महसूस कराते हैं। आयुर्वेद विशेषज्ञ मधुमिता कृष्णन ने डायबिटीज डे के अवसर पर कहा, आयुर्वेद के अनुसार, दिन की शुरुआत ध्यान और पौष्टिक आहार से करने से शरीर और मन दोनों तैयार होते हैं। बादाम अपने पोषण गुणों के लिए विशेष रूप से मूल्यवान माने जाते हैं। यह पाचन को सक्रिय करते हैं, दोषों को संतुलित करते हैं और शरीर को भीतर से पुनर्जीवित करते हैं। अपने दैनिक आहार में सोच-समझकर बादाम शामिल करना समग्र स्वास्थ्य को समर्थन देता है।

साप्ताहिक समीक्षा : घरेलू सर्राफा बाजार में 1,160 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। रविवार को तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये से लेकर 1,22,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,11,850 रुपये से लेकर 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,52,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान लगातार कमजोरी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 1,160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने की चाल के विपरीत चांदी के भाव में भी साप्ताहिक आधार पर 500 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आ गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,22,170 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,22,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,11,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,22,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,11,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के मजबूत परिणामों घोषित किए

नई दिल्ली।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के लिए अपने परिणामों की घोषणा की, जो एक विशेष ग्लास-लाइन्ड उपकरण निर्माता से ग्लोबल फार्मास्युटिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, फ़ूड एंड बेवरेज पदार्थ, और प्रोसेस इंडस्ट्रीज की सेवा करने वाले हाई-प्रिसिशन इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी सलूशन लीडर के रूप में इसके विकास में एक और महत्वपूर्ण कदम है। एसजीएलटीएल के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स ने कंपनी का नाम बदलकर स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जो मल्टीडिसपलानरी इंजीनियरिंग में इसके बड़े हुए स्कोप और कैपेबिलिटीज को दर्शाता है। यह नई पहचान कंपनी के सिंगल-प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरर से एक कंप्रहेंसिव प्रिसिशन-इंजीनियरिंग एंटरप्राइज में परिवर्तन का प्रतीक है, जो एक ही छत के नीचे डिजाइन-से-जल-परीक्षण समाधान प्रदान करता है। प्रबंध निदेशक नागेश्वर राव कंडुला ने कहा, यह नाम वास्तव में दर्शाता है कि हम कौन बन गए हैं और हम कहां जा रहे हैं - एक हाई प्रिसिशन, अवधारणा से कमीशन तक की इंजीनियरिंग कंपनी जिस पर हमारे ग्राहकों का भरोसा है। ग्लोबल शिपिंग रीशेड्यूल के बावजूद, जिसने निर्यात प्रेषण में 40-45 करोड़ रुपये को क्यू3-क्यू4 तक स्थगित कर दिया, एसजीएलटीएल ने ऑपरेशनल एक्सीलेंस और वित्तीय स्थिरता का प्रदर्शन करते हुए स्थिर विकास दिया।

रामा ग्रुप अनवेल्स रामा वर्ल्ड, 100-एकड़ इंटीग्रेटेड कॉमर्शियल लैंडमार्क सेट टू रिडिफाइन

रायपुर।

रामा वर्ल्ड को रायपुर के कॉमर्शियल और लाइफस्टाइल क्षेत्र को नया रूप देने के लिए तैयार किया गया है, जहां रिटेल, मनोरंजन, बिजनेस और इवेंट की सभी सुविधाएं एक ही जगह मिलेंगी. 6 नवंबर 2025: रामा ग्रुप के द्वारा रायपुर में रामा वर्ल्ड विकसित किया जा रहा है. यह एक ऐसा बड़ा कॉमर्शियल प्रोजेक्ट है जो शहर के रिटेल और लाइफस्टाइल सेक्टर को नया रूप देगा. 'सिटी के भीतर एक वर्ल्ड' की सोच पर आधारित रामा वर्ल्ड में शॉपिंग, एंटरटेनमेंट, बिजनेस और मनोरंजन की सभी सुविधाएं एक साथ मिलेंगी. यह प्रोजेक्ट विधान सभा रोड पर स्थित है, जो रायपुर रिंग रोड और इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधा जुड़ा है. आसपास स्वर्णभूमि, एमजीएम आई हॉस्पिटल, अंबुजा सिटी सेंटर मॉल जैसे प्रमुख स्थान और कई प्रीमियम रेसिडेंशियल व कॉमर्शियल डेवलपमेंट हैं, जिससे यह प्रोजेक्ट भविष्य के विकास के लिए पूरी तरह तैयार डेस्टिनेशन बनता है. रामा वर्ल्ड 100 एकड़ में फैला है और इसमें 3.1 मिलियन स्क्वेयर फीट से ज्यादा का कॉमर्शियल स्पेस होगा, जिससे यह सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट्स में से एक बनेगा. यहां वीकडेज में रोजाना 8 हजार से ज्यादा और वीकेंड पर 25 हजार से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है. यह जगह बिजनेस और ग्राहकों दोनों के लिए एक थ्राइविंग हब बनेगी. प्रोजेक्ट में 1400 से ज्यादा प्रीमियम स्टोर्स और 750 ब्रांड शामिल होंगे, जो रायपुर की ग्लोबल लेवल की रिटेल आकांक्षाओं को दर्शाएंगे।

आईडीबीआई बैंक ने स्पेशल ओटीएस स्कीम ''सुगम ऋण भुगतान योजना-2 शुरू की

नई दिल्ली।

आईडीबीआई बैंक ने अपनी रिकवरी बढ़ाने के लिए स्पेशल वन टाईम सैटेलमेंट (ओटीएस) स्कीम, ''सुगम ऋण भुगतान योजना - II शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च, 2022 तक रिटेल एनपीए की श्रेणी में रखे गए कर्जों को शामिल किया गया है, जिनका कर्जदार के आधार पर सकल मूल बकाया (जीपीओ) 5 लाख रुपये या उससे अधिक तथा 5 करोड़ रु. तक है, तथा जो योजना में दिए गए पात्रता के अन्य मानदंडों को पूरा करते हैं। यह अभियान बैंक के उन कर्जदारों को वन टाईम सैटेलमेंट करने का अवसर प्रदान कर रहा है, जिनके खाते एनपीए की श्रेणी में रखे गए हैं, तथा जो कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए योजना की शर्तों पर अपनी बकाया राशि जमा करना चाहते हैं। इस योजना का विवरण **https://www.idbi.bank.in/idbi-bank-sugam-rinn-bhugtan-yojana.asp&** पर उपलब्ध है।

लगातार दूसरे सप्ताह कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली।

सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। माना जा रहा है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत की अनिश्चितता और कॉरपोरेट सेक्टर के मिले-जुले परिणामों के कारण पिछले सप्ताह के कारोबार में लगातार असमंजस का माहौल बना रहा। इस असमंजस की वजह से बाजार को निगेटिव नोट के साथ साप्ताहिक कारोबार का अंत करना पड़ा। शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अदानी ग्रीन एनर्जी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, इंडियन होटल्स कंपनी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और मैनकाइंड फार्मा के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, वोडाफोन-आइडिया, इंडस टावर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और डाबर इंडिया के शेयर साप्ताहिक आधार पर 5 से 10 प्रतिशत तक की तेजी के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। मिडकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 0.60 प्रतिशत लुढ़क कर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल हिताची एनर्जी इंडिया, फिनिक्स मिल्स, पीआई इंडस्ट्रीज, 3एम इंडिया, आस्ट्रल और एल एंड टी फाइनेंस के शेयर 5 से 10 प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, देल्हीवेरी, जेके सीमेंट, केएंस टेक्नोलॉजी इंडिया, ब्लू स्टार, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और क्लीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर सबसे अधिक 1.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद स्मॉलकैप इंडेक्स में शामिल उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, फिशर मेडिकल वेंचर्स, वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग, स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, ब्लिस, जीवीएस फार्मा, वीएल-ई गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, पंजाब केमिकल एंड क्रॉप प्रोटक्शन और रिलायंस पावर के शेयर साप्ताहिक आधार पर 15 से 46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, थंगामयील ज्वेलरी, एलजी बालाकृष्णन एंड ब्रदर्स, सीसीएल प्रोडक्ट्स इंडिया, इंटर आर्क बिल्डिंग सॉल्यूशंस, बीएलएस ई सर्विसेज, एएसएम टेक्नोलॉजीज, आइरिस बिजनेस सर्विसेज, राघव प्रोडक्टिविटी एनहैंसर्स, ऑर्किड फार्मा, ड्रेजिंग कॉरपोरेशन इंडिया, प्रीवी स्पेशलिटी केमिकल्स और रेडिंगटन के शेयर 15 से 56 प्रतिशत तक की साप्ताहिक बढ़त के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें, तो निफ्टी का मीडिया इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर सबसे अधिक 3.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी का डिफेंस इंडेक्स दो प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी का मेटल इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1.70 प्रतिशत लुढ़क गया, जबकि निफ्टी का आईटी इंडेक्स 1.60 प्रतिशत की साप्ताहिक कमजोरी का शिकार हो गया। दूसरी ओर, निफ्टी का पीएसयू बैंक इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर दो प्रतिशत की मजबूती हासिल करने में सफल रहा।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने नवंबर के पहले सप्ताह में ही 12,569 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली।

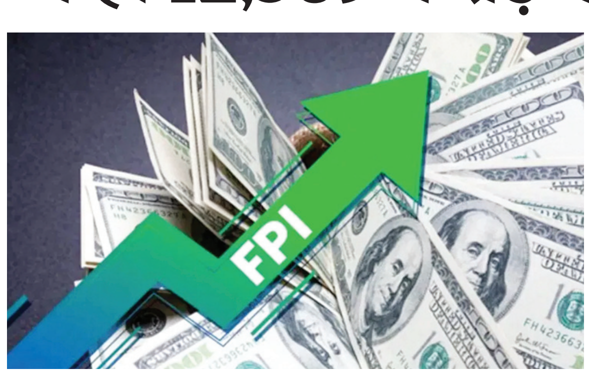

अक्टूबर के महीने में खरीदारी का जोर दिखाने के बाद नवंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक बार फिर बिकवाल (सेलर) की भूमिका में नजर आने लगे हैं। नवंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजार से अभी तक 12,569 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार 29वें सप्ताह भी लिवाल (बायर) की भूमिका में बने हुए हैं। सिर्फ पिछले सप्ताह के कारोबार में ही घरेलू संस्थागत निवेशकों ने शेयर बाजार से 16,677.94 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार नवंबर के पहले अक्टूबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। हालांकि इसके पहले लगातार 3 महीने तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार से निकासी करते रहे थे।

अक्टूबर के पहले सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से कुल 23,885 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी जबकि अगस्त के महीने में शेयर बाजार से निकासी का ये आंकड़ा 34.990 करोड़ रुपये का था इसी तरह जुलाई के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली करके कुल 17,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी। साल 2025 में अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ज्यादातर समय बिकवाल की भूमिका में ही रहे हैं। इस साल एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयरों की बिकवाली की है। नवंबर के महीने में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने डेट मार्केट से जनरल लिमिट के तहत 1,758 करोड़ रुपये की निकासी की। दूसरी ओर, वॉलंटरी रिटेंशन रूट के जरिये विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 1,416 करोड़ रुपये का निवेश भी किया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का मुख्य कारण कमजोर वैश्विक संकेत और ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता को माना जा सकता है। इन दोनों वजहों के कारण विदेशी निवेशक जोखिम मुक्त रणनीति अपनाने पर विवश हुए हैं। इसी वजह से नवंबर के पहले कारोबारी सप्ताह में एफपीआई ने बिकवाली की रणनीति अपनायी है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर के दौरान कॉरपोरेट सेक्टर के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं। खासकर, मिडकैप सेगमेंट में नतीजे काफी अच्छे रहे हैं। इसलिए वैश्विक संकेतों के बेहतर होते ही विदेशी निवेशक एक बार फिर घरेलू शेयर बाजार में खरीदार की भूमिका में लौट सकते हैं।

केंद्र सरकार ने अगले सीजन में 15 लाख टन चीनी निर्यात को दी मंजूरी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने चीनी उद्योग और गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। अगले चीनी सीजन 2025-26 में लगभग 15 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही गुड़ की छाछ यानी मोलासेस पर लगने वाला 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इन फैसलों से चीनी मिलों को आर्थिक राहत मिलेगी और किसानों को गन्ने के भुगतान समय पर हो सकेंगे। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन जारी है। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर इन निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की किसान हितैषी नीतियों से गन्ना भुगतान की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। जनवरी 2025 में जब चीनी के दाम गिर रहे थे, तब केंद्र ने 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। इससे देश में अतिरिक्त स्टॉक घटा और कर्नाटक में चीनी के भाव 3370 रुपए से बढ़कर 3700-3930 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए थे। अब 15 लाख टन निर्यात की नई मंजूरी से उद्योग को और राहत मिलेगी। खाद्य मंत्रालय ने सैद्धांतिक रूप से इस निर्यात को हरी झंडी दे दी है, जबकि अंतिम मंजूरी हाई-पावर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स से मिलनी बाकी है। उद्योग जगत 20 लाख टन निर्यात की मांग कर रहा था, ताकि अधिशेष उत्पादन पर नियंत्रण हो सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2025 तक कर्नाटक में 2022-23 और 2023-24 सीजन का कोई भुगतान बकाया नहीं है, जबकि 2024-25 सीजन में केवल 50 लाख रुपए बाकी हैं।

कर्नाटक में गन्ना के लिए 3,300 रुपये प्रति टन मूल्य तय

बेंगलुरु।

बेलगावी में गन्ना किसानों का दस दिन तक चलने वाला आंदोलन समाप्त हो गया। किसान 11.25 प्रतिशत चीनी वाले गन्ने के लिए अधिक मूल्य की मांग कर रहे थे। कर्नाटक सरकार ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,300 रुपये प्रति टन तय किया। चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल ने मुदलागी तालुक के गुरलापुर चौराहे पर किसान नेताओं को सरकार के आदेश की प्रति सौंपी। इसके बाद कुछ किसानों ने प्रदर्शन वापस लिया और जश्न मनाया। हालांकि बगलकोट, मुधोल और अन्य क्षेत्रों के गन्ना किसान अभी भी असंतुष्ट हैं और विरोध जारी रखेंगे। आंदोलन बेलगावी से शुरू होकर उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा, हावेरी और अन्य जिलों में फैल चुका था। सरकार की नई घोषणा से किसानों के बीच असंतोष और समर्थन दोनों दिख रहे हैं।

दवा कंपनियों पर सख्ती, सीडीएससीओ ने सभी राज्यों को दिए जांच शुरू करने के निर्देश

नई दिल्ली।

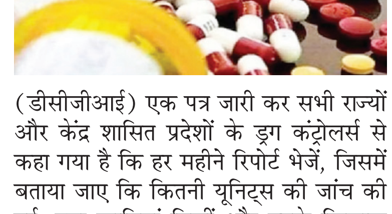

भारत की दवा निर्माण इकाइयों के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने सभी राज्य दवा नियंत्रकों को आदेश दिया है कि वे जल्द से जल्द दवा निर्माण इकाइयों की जांच शुरू करें। ये जांच देश के गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) गाइडलाइंस यानी रिवाइज्ड शेड्यूल एम के तहत की जाएगी। यह कदम भारत की दवा निर्माण प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में उठाया गया है। 7 नवंबर को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) एक पत्र जारी कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा गया है कि हर महीने रिपोर्ट भेजें, जिसमें बताया जाए कि कितनी यूनिट्स की जांच की गई, क्या खामियां मिलीं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। रिवाइज्ड शेड्यूल एम दिसंबर 2023 में लागू किया गया था। बड़े फार्मा प्लेयर्स के लिए यह नियम 1 जनवरी 2025 से अनिवार्य हो जाएंगे, जबकि एमएसएमई कंपनियों को 31 दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया था। देश में करीब 10,500 दवा निर्माण इकाइयां हैं, जिनमें से लगभग 8,500 एमएसएमई कैटेगरी में आती हैं। लेकिन कई छोटी यूनिट्स ने न तो एक्सटेंशन मांगा और न ही अपग्रेडेशन प्लान जमा किया। हाल के वर्षों में जहरीली दवाओं से हुई बच्चों की मौतों ने दवा क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश में कफ सिरप से 24 बच्चों की मौत के बाद यह सख्ती बढ़ी है। अब सीडीएससीओ का स्पष्ट संदेश है कि क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं होगा।

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न
ओवरऑल चैंपियन बना बस्तर जोन

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय पीएमश्री नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर में आज 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बस्तर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं सरगुजा जोन के 280 छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम थे तथा विशेष अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा और पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले विशेष रूप से उपस्थित थे।

क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह में विधायक श्री आशाराम नेताम ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ–साथ खेल को भी अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं और उसमें आगे बढ़ें। आपने इस प्रतियोगिता के माध्यम से जो पहचान बनाई है, उसे आगे भी बनाए रखना है। प्रतियोगिता में जो विजेता बने हैं उन्हें शुभकामनाएँ और जो विजयी नहीं हुए हैं वे निराश न हो, क्योंकि असफलता ही सफलता की सीढ़ी होता है तथा अनुशासन और लगन से आगे सफलता मिलती है।

छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा ने कहा कि खेल से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है, आपने इस क्रीड़ा प्रतियोगिता में खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं। पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले और श्री महेश जैन ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी तथा खेल को दैनिक जीवन में आवश्यक बताया। कार्यक्रम में सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री रमेश निषाद ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और आयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया।

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के परिणाम – क्रिकेट बालिका 17 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम स्थान पर – सरगुजा जोन, द्वितीय – बिलासपुर जोन और तृतीय – दुर्ग जोन रहा। इसी प्रकार हैंडबॉल बालिका 17 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम – बस्तर जोन, द्वितीय – रायपुर जोन तथा तृतीय – सरगुजा जोन। खो–खो बालिका 19 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम – दुर्ग जोन, द्वितीय – बस्तर जोन एवं तृतीय – बिलासपुर जोन तथा खो–खो बालक 19 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम – बस्तर जोन, द्वितीय – दुर्ग जोन एवं तृतीय – बिलासपुर जोन रहा। बस्तर जोन को ओवरऑल चैंपियन का खिताब मिला।

समापन समारोह कार्यक्रम में जेपी इंटरनेशनल स्कूल एवं कन्या आश्रम सिंगारभाट द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। वहीं शासकीय स्व. रामकुमार कन्या आवासीय विद्यालय कांकेर व शासकीय कन्या आश्रम सिंगारभाट के छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति दी। इस अवसर पर पार्षदगण, शिक्षा विभाग के अधिकारी–कर्मचारी, पीटीआई शिक्षक, सभी पांच जोन के प्रभारी अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भारतीय हॉकी के 100 स्वर्णिम वर्ष पर मैत्रीपूर्ण हॉकी मैच का आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

07 नवम्बर को 153वीं वाहिनी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में भारतीय हॉकी के 100 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक मैत्रीपूर्ण हॉकी मैच का आयोजन किया गया। यह आयोजन 153वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री अमित कुमार एवं 170वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री सरकार राजा रमन के दिशानिर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर 153वीं तथा 170वीं वाहिनी के जवानों ने बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 'खेल ही जीवन है' की भावना को साकार किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों एवं जवानों ने भारतीय हॉकी के गौरवशाली इतिहास और उसकी स्वर्णिम परंपरा को याद करते हुए गर्व और प्रसन्नता व्यक्त की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेल भावना, टीम वर्क तथा परस्पर सौहार्द को प्रोत्साहित करना था। मैच के माध्यम से न केवल खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि आपसी भाईचारे और एकता का सुंदर संदेश भी दिया।

बस्तर ओलंपिक का जिला स्तरीय प्रतियोगिता 12 से 14 तक कांकेर में

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर ओलंपिक का जिला स्तरीय प्रतियोगिता 12 से 14 नवम्बर तक कांकेर स्थित पीएमश्री शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। उक्त प्रतियोगिता में तीरंदाजी प्रतियोगिता शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर कांकेर में आयोजित होगी, शेष सभी प्रतियोगिताएं नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने अधिकारियों की बैठक लेकर जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक की तैयारियों के संबंध में आवश्यक

दिशा निर्देश दिए। उनके द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को जिला मुख्यालय तक लाने के लिए खुली वाहनों का उपयोग नहीं करने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया, साथ ही भोजन, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं पर भी विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए गए। विभिन्न प्रकार के दायित्वों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने कहा गया, क्रीड़ा स्थल पर चिकित्सा दल की ड्यूटी भी लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान बताया गया कि बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में एथलेटिक्स–100 मी., 200 मी. और 400 मी., लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपूट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो 4ग100 मी. रिले रेस, तीरंदाजी, फुटबॉल, कबड्डी, खो–खो, बैडमिंटन, हॉकी, कराते, व्हॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग तथा महिला सीनियर वर्ग के लिए रस्साकस्सी की प्रतियोगिता होगी। जूनियर वर्ग में बालक–बालिकाओं के लिए आयु सीमा 14 से 17 वर्ष निर्धारित है, वहीं सीनियर वर्ग में महिला–पुरूष दोनों वर्ग के लिए आयुबंधन नहीं है।

बालक स्कूल रामानुजनगर के दो विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन

स्वास्थ्य और स्वच्छता तथा सतत कृषि, उप विषय पर विद्यार्थियों ने मारी बाजी

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली के आदेशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बच्चों के लिए जोन स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी,पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिताओं का आयोजन शा.बहु.उ.मा.वि. अंबिकापुर जिला सरगुजा में संपन्न हुआ जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के दो विद्यार्थियों का बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। इस वर्ष इस कार्यक्रम का विषय विकसित और आत्मनिर्भर भारत है, जिसके अंतर्गत सात उप विषय सतत कृषि,अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के

विकल्प,हरित ऊर्जा, उभरती हुई प्रौद्योगिकियां, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य और स्वच्छता एवं जल संरक्षण और प्रबंधन है।

इस प्रतियोगिता में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के छात्र अविनाश सिंह(कक्षा 12वीं) का स्वास्थ्य और स्वच्छता पर प्रादर्श बनाने और नवल साय(कक्षा 10वीं) का सतत कृषि के लिए प्रादर्श बनाने पर राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। राज्य उत्सव–2025 के रजत महोत्सव में भी विद्यार्थियों ने अपने प्रादर्श का शिक्षा विभाग के स्टॉल में प्रदर्शन करके जिले में खूब सुर्खियां बटोरी हैं।गाइड टीचर गोपाल सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए विचारों को तलाशने और विकसित करने के लिए प्रेरित करना है। यह मेला विकसित भारत तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर केंद्रित है जिसका लक्ष्य छात्रों को रचनात्मक सोच संचार कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस उपलब्धि पर संस्था के प्राचार्य पी.सी. सोनी ने चयनित हुए दोनों छात्रों को विद्यालय परिवार की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया लिमिटेड का आईपीओ 12 को खुलेगा

एजेंसी, नई दिल्ली। टेनेको क्लीन एयर इंडिया लिमिटेड (कंपनी), बुधवार, 12 नवंबर, 2025 को अपने इक्विटी शेयरों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में बोली/प्रस्ताव खोलेगी। प्रस्ताव का प्राइस बैंड 378 से 397 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया है।

न्यूनतम 37 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 37 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। (न्यूनतम बोली लॉट) 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों (कुल पेशकश आकार) के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में टेनेको मॉरीशस होल्डिंग्स लिमिटेड (प्रवर्तक विक्रयकर्ता शेयरधारक) द्वारा कुल 36,000 मिलियन रुपये (3,600 करोड़ रुपये) तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

एंकर निवेशक बोली की तिथि मंगलवार, 11 नवंबर, 2025 होगी। बोली/प्रस्ताव बुधवार, 12 नवंबर, 2025 को खुलेगा और शुक्रवार, 14 नवंबर, 2025 को बंद होगा।

इस रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से प्रस्तुत इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई, और बीएसई के साथ, स्टॉक एक्सचेंज) नामक स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। इस ऑफर के प्रयोजनों के लिए, एनएसई नामित स्टॉक एक्सचेंज है।

जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड और एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) हैं।

यहाँ प्रयुक्त सभी बड़े अक्षरों वाले शब्दों, जिन्हें परिभाषित नहीं किया गया है, का वही अर्थ होगा जो रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में दिया गया है।

यह प्रस्ताव प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2)(बी) (जैसा कि संशोधित किया गया है) (एससीआरआर) के अनुसार, सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 31 के साथ पठित किया जा रहा है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(1) के अनुसार बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें ऑफर का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आनुपातिक आधार पर अर्हता प्राप्त संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) (क्यूआईबी हिस्सा) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते कि हमारी कंपनी, बीआरएलएम के परामर्श से, एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का 60 प्रतिशत तक आवंटित कर सकती है और इस तरह के आवंटन का आधार हमारी कंपनी द्वारा सेबी आईसीडीआर विनियमनों (एंकर निवेशक हिस्सा) के अनुसार बीआरएलएम के परामर्श से विवेकाधीन होगा, जिसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा, जो घरेलू म्यूचुअल फंड से एंकर निवेशकों (एंकर निवेशक आवंटन मूल्य) को आवंटित किए गए मूल्य पर या उससे अधिक पर वैध बोलियों के अधीन होगा। एंकर निवेशक हिस्से में कम–सब्सक्रिप्शन या गैर–आवंटन की स्थिति में, शेष इक्विटी शेयरों को शेष क्यूआईबी हिस्से (नेट क्यूआईबी हिस्सा) में जोड़ा जाएगा।

इसके अलावा, नेट क्यूआईबी हिस्से का 5 प्रतिशत आनुपातिक आधार पर केवल म्यूचुअल फंड को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते ऑफर मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों, और नेट क्यूआईबी हिस्से का शेष हिस्सा आनुपातिक आधार पर सभी क्यूआईबी (एंकर निवेशकों के अलावा) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, जिसमें म्यूचुअल फंड भी शामिल हैं, बशर्ते ऑफर मूल्य पर या इससे ऊपर वैध बोलियां प्राप्त हों। इसके अलावा, प्रस्ताव का कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा गैर–संस्थागत निवेशकों (गैर–संस्थागत हिस्सा) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, जिसमें से एक–तिहाई गैर–संस्थागत हिस्सा 200,000 रुपये से अधिक और 1,000,000 रुपये तक के आवेदन आकार वाले बोलीदाताओं को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा और गैर–संस्थागत हिस्से का दो–तिहाई हिस्सा 1,000,000 रुपये से अधिक के आवेदन आकार वाले बोलीदाताओं को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा और गैर–संस्थागत हिस्से की इन दो उप–श्रेणियों में से किसी में कम–सदस्यता को सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार गैर–संस्थागत हिस्से की अन्य उप–श्रेणी में बोलीदाताओं को आवंटित किया जा सकता है, बशर्ते कि वैध बोलियां प्रस्ताव मूल्य पर या उससे ऊपर प्राप्त हों।

मधुमक्खी पालन विषय पर दिया गया सात दिवसीय प्रशिक्षण

समापन दिवस पर प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़ी

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर सूरजपुर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में व कुलपति इं.गां.कृ.वि. रायपुर डॉ. गिरिश चंदेल और इं.गां.कृ.वि. रायपुर के निर्देशक डॉ. एस.एस. टुटेजा के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा के प्रांगण में नेशनल बीकीपिंग एवं हनी मिशन (हृक्क।रू) अंतर्गत मधुमक्खी पालन विषय सात दिवसीय प्रशिक्षण 03 नवम्बर से 09 नवंबर तक दिया गया। समापन दिवस पर वर्चुअल माध्यम से ऑनलाइन प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते भी जुड़ी थी। जहां उन्होंने मधुमक्खी पालन से जुड़ने के कृषक बंधुओं को प्रेरित किया और इससे अतिरिक्त आय का सृजन करने की बात कही ।

समापन कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा के प्रभारी डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि सरगुजा संभाग में मधुमक्खी पालन व्यवसाय की अपार संभावनाएँ हैं।इसी उदेश्य को ध्यान में रखते हुए सूरजपुर जिले के 25 प्रतिभागियों को सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया गया, प्रशिक्षण के दौरान प्रायोगिक अध्यन पर ज्यादा ध्यान दिया गया है ताकि प्रतिभागियों में मधुमक्खी पालन को लेकर आत्मविश्वास बढे । श्री जे एस मरावी सहायक संचालक उद्यानिकी के द्वारा विभागीय योजनाओं के बारे में बताया गया साथ ही मधुमक्खी पालन शुरू करने हेतु पेटी देने को कहा गया। अधिष्ठाता डॉ. पी. एस. राठिया कृषि महाविद्यालय प्रतापपुर के द्वारा आलू उत्पादन तकनीक एवं मधुमक्खी के विस्तार के बारे मेंबताया डॉ. के. एल. पैंकरा, सहायक संचालक अनुसंधान ने कहा कि मधुमक्खी पालन समन्वित कृषि प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसे अपनाकर किसान बिना अधिक लागत के लाभ कमा सकते हैं और निश्चित रूप से सात दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात सभी प्रतिभागी वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन करके अच्छा मुनाफा प्राप्त करेंगे साथ ही सरगुजा संभाग वन अच्छादित होने के कारण यहाँ मुख्य खेती के साथ मधुमक्खी पालन करने की प्रबल संभावनाए है। जिसका निश्चित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागी इसका पूरा फायदा प्राप्त करेंगे। उन्होंने हनी मिशन के तहत अधिक से अधिक किसानों को इस व्यवसाय से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन से न केवल शहद व अन्य उत्पाद प्राप्त होते हैं बल्कि फसल उत्पादन में भी 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि होती है । प्रतिभागियों द्वारा भी सात दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभव को सभी के साथ साझा किया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. वीरेंद्र कुमार, कार्यक्रम सहायक, कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान गणमान्य जनप्रतिनिधिगण, प्रशिक्षण प्रभारी श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता एवं केंद्र के कर्मचारी व उद्यानिकी विभाग से ग्रा.उ.वि.अधि. सुश्री नेहा तिर्की उपस्थित रहे ।

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेबीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

ए.एस. एसोसिएट्स
प्रथम तल, आनंद भवन गुरुनानक चौक, रायपुर
मो. 93020-77741, 98271-62101

साइको टेस्ट में फेल लोको पायलट को दी गई ट्रेन चलाने की अनुमति देने सीआरएस ने किए सवाल

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बीते 4 नवंबर को हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे की जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ है। कमीशन ऑफ रेलवे सेफ्टी की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि साइकोलॉजिकल टेस्ट में फेल होने के बावजूद लोको पायलट को पैसेंजर ट्रेन चलाने की अनुमति दे दी गई थी।

जांच में पाया गया कि रेलवे के जोन स्तर के अफसरों ने नियमों को दरकिनार कर यह अनुमति दी थी, जिसके चलते अब जिम्मेदारी तय करने के लिए प्रमोशन और अनुमति से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, हादसे में शामिल लोको पायलट विद्यासागर एक माह पहले तक मालगाड़ी चला रहे थे। उन्हें हाल ही में प्रमोशन देकर पैसेंजर ट्रेन चलाने की जिम्मेदारी दी गई थी। जबकि प्रमोशन के दौरान वे साइकोलॉजिकल टेस्ट में विफल हो गए थे। इसके बावजूद उन्हें ट्रेन संचालन की मंजूरी दे दी गई, जो अब जांच का मुख्य बिंदु बन गया है।

रेलवे की शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया है कि विद्यासागर ने गलत सिग्नल देखकर ट्रेन की स्पीड बढ़ा दी थी। सामने मालगाड़ी दिखाई देने पर उन्होंने स्पीड कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां ट्रैक घुमावदार है, जिससे दृश्यता सीमित थी।

रेलवे सेफ्टी कमिश्नर बीके मिश्रा ने 6 नवंबर से जांच शुरू की थी। उन्होंने घटनास्थल, सिग्नल ऑपरेटिंग कंट्रोल रूम और डेटा लॉगर रिकॉर्ड्स की बारीकी से जांच की और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए।

इसके बाद उन्होंने हादसे के समय ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची बनाकर व्यक्तिगत पूछताछ और बयान दर्ज किए।

जांच के अंतिम दिन 8 नवंबर तक 29 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों से बयान लिए गए हैं। अभी असिस्टेंट लोको पायलट रश्मि राज से बयान नहीं लिया जा सका है क्योंकि वह गंभीर रूप से घायल हैं और अपोलो अस्पताल में भर्ती हैं।

शनिवार शाम को अपनी जांच पूरी करने के बाद सीआरएस बी.के. मिश्रा कोलकाता लौट गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, वे 15 नवंबर तक प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इस रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया जाएगा कि हादसे की वास्तविक वजह क्या थी और किस स्तर पर नियमों की अनदेखी हुई।

न्याय किसी वर्ग का विशेषाधिकार नहीं बल्कि हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है -प्रधान जिला न्यायाधीश एस. शर्मा

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वाधान, छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशन एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष संतोष शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन के अनुसार 09 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर न्याय जागरूकता विधिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गयी।

उपरोक्त कार्यक्रम में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष संतोष शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा, मान. जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश एस.सी./एस.टी. कोरबा, मान. गरिमा शर्मा, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कोरबा, मान. डॉ. ममता भेजवानी, अपर सत्र न्यायाधीश एफ.टी.एस.सी.(पॉक्सो) कोरबा, मान. सोनी तिवारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोरबा, सुत्री त्रासी राधव तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कोरबा, सुग्रेसी सिंह प्रथम अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कोरबा,

डॉ. किरण, प्रचार्या ज्योति भूषण प्रताप सिंह लॉ कॉलेज कोरबा की गरीमामयी उपस्थिति में विधिक सेवा दिवस का कार्यक्रम में मान. प्रधान जिला न्यायाधीश ने विधिक सेवा दिवस कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए आमजन को कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, न्याय तक समान पहुंच सुनिश्ति करना, नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। उपरोक्त कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश के द्वारा अपने उदबोधन में विधिक सेवा का साब्दिक अर्थ बताते हुए प्राचीन काल से कानून से संबंधित ज्ञान को सेवा के साथ न्यायिक प्रक्रिया मुगल काल, मगद काल के जमाने में त्वरित निर्णय प्रदान कर फैसला दिया जाता था जिसमें सुनवाई का अवसर नहीं मिल पाता था ऐसे में न्याय की पूर्ति नहीं हो पाती थी। कानूनों में सनै: सनै: विकास हुआ यह व्यवस्था बदलती गयी जब हमारा देश आजाद हुआ तब स्वतन्त्र न्यायिक व्यवस्था की स्थापना हुई उसके अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय, सभी राज्यों में उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय एवं व्यवहार न्यायालय की स्थापना के बाद भी एक आवश्कता महसूस की जाती रही। जिसके अंतर्गत यह देखा गया कि जो निर्बल पक्ष या गरीब पक्ष अपना उचित प्रकार से न्यायालय में पक्ष प्रस्तुत नहीं कर पा रहा है। इसलिए जो न्याय प्रदान करने का प्रक्रिया था माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पीड़ित पक्ष को जो खर्च वहन करने में सक्षम नहीं था संविधान में व्यवस्थाओं में संसोधन कर विधिक सेवा प्राधिकरणों का वर्णन है जो संविधान एवं उद्देशिका में भी निहित है। विशिष्ट अतिथि उद्बोधन में लॉ कॉलेज की प्रचार्य डॉ. किरण चैहान ने विधिक सेवा दिवस मनाने की आवश्यकता को बताते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से बताया एवं इसकी आवश्यकताओं पर बल देते हुए निरंतर कानूनी विकास में मददगार बताया।

फसल की रखवाली करने गए किसान की हाथी के हमले में मौत

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

कोरबा वनमंडल के करतला रेंज के अंतर्गत बोतली गांव में दल से भटके एक हाथी के हमले में एक किसान की मौत हो गई। मृतक अपने खेत की फसल की रखवाली करने जा रहा था, तभी उसका सामना हाथियों के झुंड से हो गया। इस हादसे के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल है।करतला रेंज में 38 हाथियों का झुंड, ग्रामीणों में दहशत और रोष

घटना शुक्रवार-शनिवार की रात लगभग एक बजे की है। ग्राम बोतली निवासी शिव नारायण कंवर (36 वर्ष) खेत की रखवाली के लिए जा रहा था। रास्ते में अचानक हाथियों का झुंड सामने आ गया। एक हाथी ने उस पर अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

ग्रामीणों ने सुबह वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद वन अधिकारी रघुनाथ राठिया के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। विभागीय कर्मचारियों ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा।

वन विभाग ने मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपये दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि विभागीय नियमों के अनुसार, वन्यप्राणी हमले में जनहानि पर छह लाख रुपये मुआवजे का प्रावधान है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शेष 5 लाख 75 हजार रुपये भी शीघ्र दिए जाएंगे। घटना शुक्रवार-शनिवार की रात लगभग एक बजे की है। ग्राम बोतली निवासी शिव नारायण कंवर (36 वर्ष) खेत की रखवाली के लिए जा रहा था। रास्ते में अचानक हाथियों का झुंड सामने आ गया। एक हाथी ने उस पर अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वन विभाग के अनुसार, करतला रेंज क्षेत्र में लगभग 38 हाथियों का झुंड इन दिनों सक्रिय है। यह झुंड पीड़िया और आसपास के गांवों में फसलों को नुकसान पहुंचा रहा था। बीती रात दल बोतली जंगल की ओर बढ़ गया, लेकिन एक हाथी दल से अलग होकर गांव के पास पहुंचा,

ट्रायल कोर्ट लंबी तारीखें देने से बचें-हाईकोर्ट

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

कहा- मुकदमों में देरी से न्याय प्रक्रिया प्रभावित, चार महीने में निपटारे के निर्देश

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य की सभी निचली अदालतों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अनावश्यक रूप से लंबी तारीखें न दें, क्योंकि इससे मुकदमों के निपटारे में अनुचित देरी होती है और न्यायिक प्रक्रिया पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह प्रवृत्ति विशेष रूप से तब और गंभीर हो जाती है, जब आरोपी न्यायिक हिरासत में होता है। ऐसे मामलों में अदालतों को साक्ष्य दर्ज करने के लिए छोटी और लगातार तारीखें तय करनी चाहिए, ताकि मुकदमे का त्वरित निपटारा हो सके।

कोर्ट ने टिप्पणी की है कि, यह देखा गया है कि कई ट्रायल कोर्ट आरोपी के जेल में होने के बावजूद लंबी-लंबी तारीखें दे देती हैं। यह प्रथा न केवल मामलों के निपटारे में देरी करती है, बल्कि नागरिकों के संविधान द्वारा प्रदत्त शीघ्र न्याय के मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन करती है। हाईकोर्ट ने सभी ट्रायल कोर्ट को निर्देशित किया कि वे बिना किसी अपरिहार्य कारण के स्थगन न दें।

यह टिप्पणी उस समय की गई, जब एक आरोपी की दूसरी जमानत याचिका पर सुनवाई हो रही थी। आरोपी एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया था। इस कानून के तहत गांजा का उत्पादन, परिवहन या विक्री करने पर 10 से 20 साल तक की सजा और एक से दो लाख रुपये तक जुर्माना हो सकता है।

पुलिस ने आरोपी और उसके साथी से 33.7 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। आरोपी ने अपनी जमानत याचिका में कहा कि वह नवंबर 2024 से जेल में बंद है, और 14 गवाहों में से केवल तीन की ही गवाही हो पाई है, वो भी शत्रु गवाह बन गए। अगली सुनवाई जनवरी 2026 के लिए तय की गई थी, जिससे आरोपी ने जमानत की मांग की।

राज्य सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि आरोप गंभीर हैं और जब्त की गई मात्रा वाणिज्यिक सीमा से कहीं अधिक है। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने जमानत देने से इन्कार कर दिया, लेकिन ट्रायल कोर्ट को सख्त निर्देश दिए कि अब सुनवाई में देरी नहीं की जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि अदालत को इस आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने की तारीख से चार महीने के भीतर मुकदमे के निपटारे का प्रयास करना चाहिए।

सरदार पटेल की प्रेरणा से अखंड भारत की नींव हुई मजबूत-सांसद रूपकुमारी

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

लौह पुरुष और राष्ट्र एकता के सूत्रधार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन, माय भारत तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में 'यूनिटी मार्च पदयात्रा' का भव्य आयोजन किया गया।

पदयात्रा का शुभारंभ महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर तथा पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया। यह पदयात्रा ग्राम पंचायत नागाबुड़ा स्कूल चौक से नहरगांव, कोकड़ी होते हुए गांधी मैदान गरियाबंद में संपन्न हुई। इस दौरान राजिम विधायक रोहित साहू, खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर, वरिष्ठ नागरिक अनिल चन्द्राकर, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, जनपद अध्यक्ष सोहन ध्रुव, नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, सरपंच केवरा बाई, कलेक्टर बी.एस. उइके, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, डीएफओ शशिगानंदन के, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चन्द्राकर सहित जनप्रतिनिधि सहित आला अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

इस दौरान अतिथियों ने शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में एक पेड़ मां के नाम के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधरोपण किए। यह सद्भावना पदयात्रा लगभग 8 किलोमीटर लंबी थी, इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक संगठन, खेल संघ, एनसीसी, स्काउट, रेड क्रॉस, एनएसएस, महाविद्यालय एवं विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए। सद्भावना यात्रा के दौरान जगह-जगह ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने फूल वर्षा और तिलक लगाकर स्वागत किया। यात्रा के समापन अवसर पर देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वच्छता, नशामुक्ति, आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी संकल्प का संदेश भी दिया गया।

गुरु घासीदास जयंती में शामिल हुई विधायक उत्तरी जांगड़े

सारंगढ़, प्रतिदिन राजधानी

ग्राम जिल्दी में परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती का 3 दिवसीय भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े, विशिष्ट अतिथि पूर्व जनपद सदस्य प्रतिनिधि शंकर चौहान, भारत बाई सुधावारे पूर्व जनपद सदस्य, विधायक प्रतिनिधि गनपत जांगड़े शामिल हुए। आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। तत्पश्चात उन्होंने बाबा गुरु घासीदास के जैतखाम व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा में पूजा-अर्चना कर मत्था टेका और समस्त ग्राम व क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। विधायक उत्तरी जांगड़े ने कहा -हम सभी को बाबा के बताए मार्ग पर चलकर समाज में भाईचारा, समानता और नशामुक्ति का संदेश फैलाना चाहिए। इसी से गांव को एक आदर्श गांव के रूप में पहचान मिलेगी, साथ ही एक रोटी कम खाना लेकिन अपने बच्चों को शिक्षा अवश्य देना तब जाकर हमारा समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने कार्यक्रम में आमंत्रण देने हेतु आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया और बाबा गुरु घासीदास जी से सभी की मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अध्यक्ष भूपेन्द्र निराला (सरपंच), जीवन लाल निराला(उपसरपंच)उपाध्यक्ष प्रकाश महिलाने, डेविड निराला, देवनारायण महिलाने,कोषाध्यक्ष चन्द्रभूषण महिलाने,भदू प्रसाद महिलाने, सचिव रोहित जांगड़े, नोहित महिलाने, नन्दकुमार महिलाने सह-सचिव जय प्रकाश टण्डन,अमीत निराला,मनीष मीरी सलाहकार -अमरकान्त महिलाने, जयपाल जोल्हे, रामकुमार महिलाने, गणेश जांगड़े, योगेन्द्र मीरी, जैन कुरें, रामप्रसाद निराला, दिल प्रसाद टण्डन, लोचन निराला, नरेश निराला, सुकुल निराला, दरसराम कुँ, पालुराम कुरें, यादराम करें, गुलाराम कुरें, भूषण करें, जयपाल जोल्हे, नवीन सिदार, महेन्द्र खुटें, गमलू यादव, सुधुराम निराला,धीरचन्द निराला व समस्त ग्रामवासि उपस्थित रहे।

कबीरधाम में सड़क निर्माण कार्यों में आई तेजी

सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान

कवर्धा, प्रतिदिन राजधानी

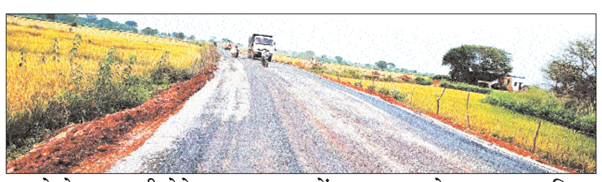

राज्य शासन के मंशानुरूप कबीरधाम जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत विभिन्न सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों की गति तेज कर दी गई है। वर्षा ऋतु के दौरान बंद अथवा अप्रारंभ रहे कार्यों को पुन: प्रारंभ कर अब तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। सभी सड़कों का निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री रंजीत घाटगे ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में ठाकुर देव चौक (एन.एच. 12ए) से जुनवानी मार्ग होते हुए नवनिर्मित हाईटेक बस स्टैण्ड से ठाठापुर मार्ग जुनवानी जंक्शन तक लगभग 4.20 किलोमीटर लंबाई की सड़क का कार्य तेज गति से जारी है। इसके साथ ही विभाग द्वारा चिल्फी-रेंगाखार-साल्हेवारा मुख्य जिला मार्ग की 27.80 किलोमीटर लंबाई में नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य किया जा रहा है। इस मार्ग के सुधरने से कबीरधाम जिले के ग्रामीण अंचलों में परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। इसी प्रकार कवर्धा बायपास (पुराना) मार्ग की 1.30 किलोमीटर लंबाई में मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है, जिससे शहर के भीतर भारी वाहनों का दबाव कम होगा और सुगम यातायात सुनिश्चित होगा। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न ग्रामीण सड़क निर्माण कार्यों को भी प्राथमिकता दी गई है। खोलवा से कुम्हारी मार्ग लंबाई 2.30 किलोमीटर, पिपरिया से गांगपुर मार्ग लंबाई 3.80 किलोमीटर और बानों से कान्हाभैरा मार्ग लंबाई 6.70 किलोमीटर का सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है।

दुर्गा उत्सव समिति द्वारा माता का जगराता

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में सिविल लाइन दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित माता का जगराता सम्पन्न हुआ।भजन गायिका शहनाज अख्तर ने प्रस्तुति दी। आयोजन में नगर के कई जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, प्रमोद शर्मा, सनम जंगाड़े सहित कई स्थानीय नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष को आमंत्रण न दिए जाने को लेकर नगर में चर्चा है।

पुलिस कार्यालय बालोद में क्यूआर कोड

दल्लीराजहरा, प्रतिदिन राजधानी

दुर्ग रेंज पुलिस द्वारा आम नागरिकों की सुविधा और पुलिसिंग सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक नई पहल 'अनुभव' प्रारंभ की गई है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच पारदर्शिता, विश्वास एवं संवाद को और सशक्त बनाना है। आज पुलिस कार्यालय बालोद में इस पहल के अन्तर्गत क्यूआर कोड लॉन्च किया गया।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन में पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग के द्वारा इस पहल को पुलिस कार्यालय बालोद के सभागार कक्ष से शुरू की गई। इस व्यवस्था के तहत अब दुर्ग रेंज के सभी थाना एवं चौकियों में आने वाले नागरिक अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। इसके लिए प्रत्येक थाना/चौकी में एक क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया है, जिसे स्कैन कर नागरिक ऑनलाइन फीडबैक फॉर्म भर सकेंगे। इस फॉर्म में कुछ सरल प्रश्न होंगे जिनके उत्तर देकर नागरिक अपने अनुभव और सुझाव साझा कर सकते हैं। नाम एवं मोबाइल नंबर देना पूर्णत: वैकल्पिक है, जिससे नागरिक बिना किसी झिझक के अपनी राय दे सकें। प्राप्त सभी फीडबैक सुरक्षित रखे जाएंगे तथा नागरिकों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

यह पहल सरगुजा रेंज पुलिस से प्रेरित है, जहाँ यह व्यवस्था पूर्व में सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है। दुर्ग रेंज में इसे और प्रभावी स्वरूप देने के लिए सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। बालोद पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने इस क्यूआर कोड को डिजाइन किया है और उन्होंने इसे पुलिस की जनता को प्रदाय की जाने वाले सेवाओं में बेहतरी की लिए सार्थक कदम बताया। दुर्ग रेंज पुलिस लगातार जनता के साथ संवाद बढ़ाने, उनकी अपेक्षाओं को समझने और पुलिस सेवाओं में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस मौके पर बालोद पुलिस से सीएसपी डॉ. चित्रा वर्मा, सीएसपी बोनीफास एक्का, डीएसपी माया शर्मा एवं थाना एवं चौकी प्रभारी सहित आईजी कार्यालय से उप निरीक्षक डॉ. संकल्प राय, आरक्षक अभिषेक यादव एवं प्रशांत कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

बारिश से खराब हुई फसल के मुआवजे की मांग

किसान कांग्रेस ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

कवर्धा, प्रतिदिन राजधानी

बेमौसम वर्षा से धान की फसल प्रभावित होने के मामले में किसान कांग्रेस ने किसानों को आर्थिक सहायता देने की माँग की है। इस संबंध में संगठन ने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान कुछ किसान धान की सड़ी हुई बाली लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुँचे और कहा कि बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है, जिससे फसलें गिरकर खराब हो रही हैं। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने कहा-धान की फसल खेतों में नमी और पानी के कारण सड़ने लगी है। फसल बीमा योजना के साथ-साथ राजस्व विभाग द्वारा सर्वे कराकर आपदा प्रावधानों के अंतर्गत मुआवज़ा दिया जाए।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष होरी साहू ने कहा -उत्पादन लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। हम किसानों के लिए शत प्रतिशत मुआवज़े की माँग कर रहे हैं।

ज्ञापन में निम्न माँगें शामिल हैं- प्रभावित क्षेत्रों में फसल नुकसान का सर्वे किया जाए, आपदा राहत प्रावधानों के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, फसल बीमा दावा प्रक्रिया को तेज़ किया जाए।

ज्ञापन सौंपते समय होरी साहू, रवि चंद्रवंशी,गोपाल चंद्रवंशी,नवीन जायसवाल,मानिकांत त्रिपाठी,सौखी साहू,गुरुदत्त शर्मा,सुभाष पूरी,मनीष शर्मा,भीषण पांडेयचन्द्रसेन चन्द्रवंशी,प्रकाश पटेल,बीरेन्द्र चंद्राकर,रामदास पटेल, चेतन वर्मा,जलेश बघेल,आकाश केशरवानी,सुनील,राजा,अजीत,वैभव ,राहुल,सुजल,वरुण जोशी,संजय सुरेश चंद्राकर सहित किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

धमाका कप सारंगढ़ का शुभारंभ

सारंगढ़, प्रतिदिन राजधानी

आज धमाका कप सारंगढ़ 2025 (सीजन 3.0) क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय के करकमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि अनुशासन, मेहनत और टीम भावना का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवाओं में खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाते हैं।

इस अंतरराज्यीय स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा, सरंगढ़ द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित पड़ोसी राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

10 nov 25_Layout 1 11/9/2025 8:55 PM Page 1

उपराष्ट्रपति ने किया आचार्य शांतिसागर महाराज की प्रतिमा का अनावरण

- आचार्य शांतिसागर महाराज के उपदेश शांति और सौहार्द के लिए सदा प्रासंगिक - उपराष्ट्रपति
- उपराष्ट्रपति ने श्रवणबेलगोला की 2000 वर्षों की जैन विरासत और प्रतिष्ठित बाहुबली प्रतिमा के महत्व को रेखांकित किया
- श्रवणबेलगोला ने शताब्दी समारोहों के माध्यम से आध्यात्मिकता की ज्योति को पुनर्प्रज्ज्वलित किया - उपराष्ट्रपति
- चंद्रगुप्त मौर्य का संन्यास सत्ता से ज्ञान तक की यात्रा का प्रतीक - उपराष्ट्रपति
- उपराष्ट्रपति ने प्राकृत को शास्त्रीय भाषा के रूप में सरकारी मान्यता दिए जाने और ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को सराहा

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में आज परमपूज्य आचार्य 108 शांतिसागर महाराज जी की यात्रा के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। आचार्य जी ने 100 साल पहले 1925 में महामस्तकाभिषेक समारोह के लिए इस पवित्र स्थल की यात्रा की थी। उपराष्ट्रपति ने श्रवणबेलगोला में आचार्य शांतिसागर महाराज जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

सभा को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने दिगंबर परंपरा को पुनर्जीवित करने में आचार्य शांतिसागर महाराज जी की महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की और उनके जीवन को अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद के जैन सिद्धांतों का मूर्त रूप बताया, जो आंतरिक शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भौतिकतावादी और बेचैनी से भरे इस युग में आचार्य शांतिसागर महाराज जी का जीवन हमें याद दिलाता है कि सच्ची स्वच्छंदता संपत्ति इकठ्ठा करने में नहीं, बल्कि आत्म-संयम में है, भोग में नहीं, बल्कि आंतरिक शांति में निहित है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस शताब्दी समारोह के माध्यम से, श्रवणबेलगोला स्थित दिगंबर जैन मठ ने न केवल एक महान संत को सम्मानित किया है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक ज्योति भी प्रज्वलित की है। उन्होंने कहा कि नवअनावृत प्रतिमा यहाँ आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सादगी, पवित्रता और करुणा की शक्ति का स्मरण कराने वाले प्रतीक के रूप में स्थापित होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आचार्य शांतिसागर महाराज जी का संदेश सभी भारतीयों को धार्मिकता, सहिष्णुता और शांति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

दो हजार वर्षों से अधिक समय तक जैन आस्था के केंद्र के रूप में श्रवणबेलगोला के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने भगवान बाहुबली की 57 फुट ऊंची विशाल प्रतिमा के बारे में बताया जिसे गंग वंश के मंत्री चामुंडराय ने बनवाया था। उपराष्ट्रपति ने इसे आध्यात्मिक भक्ति और कलात्मक उत्कृष्टता का एक शाश्वत प्रमाण बताया।

सी. पी. राधाकृष्णन ने बताया की सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने जैन संत आचार्य भद्रबाहु के मार्गदर्शन में श्रवणबेलगोला में संन्यास लिया। उन्होंने कहा कि महान सम्राट का यह कृत्य इस बात का प्रतीक था कि सभी सांसारिक उपलब्धियाँ प्राप्त करने के बाद भी, व्यक्ति को अंततः आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति अवश्य करनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने भारत सरकार द्वारा प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने और जैन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण हेतु ज्ञानभारतम मिशन की शुरुआत करने की सराहना की। उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण हेतु इन प्रयासों की प्रशंसा भी की। उन्होंने तमिलनाडु और जैन धर्म के बीच मज़बूत ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित किया और संगम काल और संगमोत्तर काल के दौरान तमिल साहित्य और संस्कृति में जैन धर्म के गहन योगदान का उल्लेख किया जो शिलप्पादिकारम जैसी शास्त्रीय रचनाओं में प्रतिबिंबित होता है।

उपराष्ट्रपति ने जैन मठ के वर्तमान प्रमुख अभिनव चारुकीर्ति भट्टारक स्वामीजी की भी सराहना की, जिन्होंने प्राकृत अनुसंधान संस्थान जैसे संस्थानों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देकर आचार्य शांतिसागर महाराज जी की विरासत को आगे बढ़ाया।

श्रवणबेलगोला भारत की आध्यात्मिक विरासत का एक चमकता हुआ रत्न बना रहेगा इस विश्वास को व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों को धार्मिकता, सहिष्णुता और शांति के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

इस कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, कर्नाटक के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर, हासन से सांसद श्रेयस एम. पटेल, क्षेत्र श्रवणबेलगोला दिगंबर जैन महासंस्थान मठ के पूज्य साधुगण और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

नए आपराधिक कानूनों पर मंथन, भोपाल में जुटे न्यायविद और अधिकारी

- केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, देश ने त्वरित न्याय के एक नए युग में प्रवेश किया है
- केन्द्रीय गृह सचिव ने कहा, तकनीक, समयबद्ध जाँच और न्याय प्रदान करना नए आपराधिक कानूनों के मूल सिद्धांत
- नए आपराधिक कानूनों को पूरे देश में अक्षरशः लागू किया जा रहा है - केन्द्रीय गृह सचिव

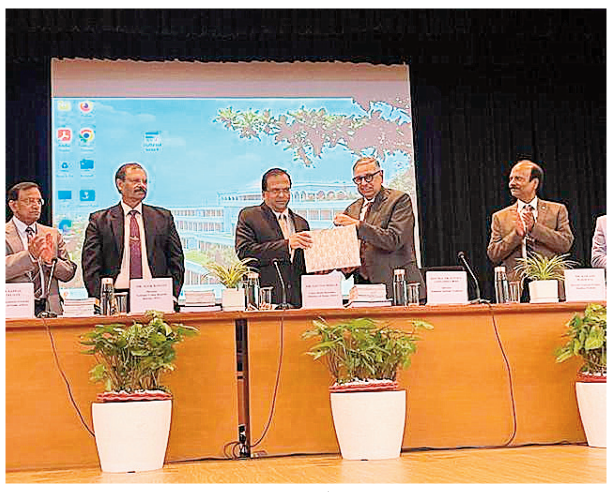

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल ने तीन नए आपराधिक कानूनों पर 8-9 नवंबर, 2025 को भोपाल में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन प्रमुख स्तंभों - न्यायपालिका, अभियोजन और पुलिस - पर चर्चा की गई। सम्मेलन के रिसोर्स पर्सन्स को शैक्षणिक संस्थानों और सेवारत वरिष्ठ अधिवक्ताओं से चुना गया था।

केन्द्रीय गृह सचिव, गोविंद मोहन ने दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार एक सुरक्षित, पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली का निर्माण कर रही है।केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, देश ने त्वरित न्याय के एक नए युग में प्रवेश किया है। उन्होंने दोहराया कि नए आपराधिक कानूनों का उद्देश्य भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को उपनिवेशवाद से मुक्त करना और इसे अधिक पीड़ित-केंद्रित और प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना है। गृह सचिव ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल द्वारा इन कानूनों के कार्यान्वयन में किए गए महत्वपूर्ण संस्थागत योगदान की सराहना की, जिसने नए ढांचे के तहत पेश किए गए प्रमुख तकनीकी नवाचारों के लिए मॉडल नियमों / मानक संचालन प्रक्रियाओं का मसौदा तैयार किया है। इनमें ई-साक्ष्य, ई-समन, सामुदायिक सेवा और न्याय श्रुति शामिल हैं।

केन्द्रीय गृह सचिव ने कहा कि प्रौद्योगिकी नए आपराधिक कानूनों का आधार है, जिसका उद्देश्य लंबे समय से चली आ रही देरी की समस्या का समाधान कर एक त्वरित और अधिक कुशल न्याय प्रणाली सुनिश्चित करना है। नए कानूनों में जाँच, मुकदमे और अन्य प्रक्रियात्मक चरणों में देरी को कम करने के लिए कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय की ई-समिति ने नए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी एकीकरण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केन्द्रीय गृह सचिव ने कहा कि अब हमारा ध्यान तीन नए आपराधिक कानूनों के तहत शुरू किए गए सुधारों को निरंतर अपनाने, उनमें लगातार सुधार करने और उन्हें संस्थागत बनाने पर केंद्रित होना चाहिए। राज्य सरकारों को कार्यान्वयन की प्रगति का आंकलन करने, परिचालन संबंधी बाधाओं की पहचान करने और बदलती न्यायिक एवं तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप नियमों, अधिसूचनाओं और मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) को समय पर अपडेट करने के लिए डेडिकेटेड निगरानी तंत्र स्थापित करने चाहिए। पुलिस विभागों को जाँच और अभियोजन वर्कफ्लो के पूर्ण डिजिटलीकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ई-साक्ष्य, ई-समन और ICJS जैसी प्रणालियों का उपयोग संचालन के डिफ़ॉल्ट मोड के रूप में किया जाए।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब का दौरा किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू 07 से 09 नवंबर 2025 तक सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे। श्री किरेन रिजिजू के साथ एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था। इसमें श्री असीम आर. महाजन, अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) और श्री राम सिंह, संयुक्त सचिव (हज), अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय शामिल थे। यह यात्रा सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री डॉ. तौफीक बिन फवजान अल रबिया के निमंत्रण पर हुई थी।

2. 09 नवंबर 2025 को केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री डॉ. तौफीक बिन फवजान अल रबिया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने हज तैयारियों की समीक्षा की, समन्वय और रसद सहायता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की और भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बैठक में सुचारू और आरामदायक तीर्थयात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सुविधाओं, परिवहन, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने जेद्दा में हज-2026 के लिए भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारत के लिए देश कोटा 1,75,025 की पुष्टि की गई।

3. केंद्रीय मंत्री ने यात्रा के दौरान हज-2026 की तैयारियों का आकलन करने के लिए भारतीय दूतावास रियाद और भारतीय महावाणिज्य दूतावास जेद्दा के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी की। उन्होंने भारतीय तीर्थयात्रियों के कल्याण और आराम को सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में मिशन और वाणिज्य दूतावास के प्रयासों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री महोदय ने जेद्दा और ताइफ़ में हज और उमराह से संबंधित प्रमुख स्थलों टर्मिनल 1 और जेद्दा में हरमैन स्टेशन का दौरा कर तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं की जानकारी हासिल की।

भारतीय वायु सेना के रोमांचकारी हवाई करतबों ने गुवाहाटी के आसमान को मंत्रमुग्ध कर दिया

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने अपनी 93वीं वर्षगांठ के समारोह को जारी रखते हुए 09 नवंबर, 2025 को गुवाहाटी में गौरवमयी ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर एक मनमोहक एवं रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन किया। असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य इस भव्य आयोजन के मुख्य अतिथि थे। अन्य विशिष्ट मेहमानों में असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह, पूर्वी वायु कमान के एओसी-इन-सी एयर मार्शल सूरत सिंह सहित भारतीय वायु सेना तथा राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लासित घाट के पास से उड़ान भरते लड़ाकू एवं परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टर की शानदार श्रृंखला ने गुवाहाटी के आसमान को रोमांच व गौरव से भर दिया। इस प्रभावशाली हवाई प्रदर्शन में भारतीय वायु सेना के अत्याधुनिक हेलीकॉप्टरों, परिवहन विमानों और लड़ाकू जहाजों की विविध क्षमता के साथ विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित हुई। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में तेजस, अपाचे, सी-295 और हॉक्स विमान शामिल थे, जो भारत की तकनीकी उत्कृष्टता तथा राष्ट्रीय लचीलेपन के प्रतीक हैं। वहीं, हार्वर्ड, सुखोई-30 और राफेल विमान ने अपने रोमांचक व कम ऊंचाई के हवाई करतबों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रदर्शन का समापन सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम की मनोहारी समन्वित प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति एवं उत्साह से सराबोर कर दिया।

रोमांचकारी हवाई करतबों ने दर्शकों, विशेष रूप से पूर्वोत्तर के युवाओं के मन पर गहरी और अमिट छाप छोड़ी। साहस, कौशल और अनुशासन से भरपूर इस प्रदर्शन ने युवा पीढ़ी को मुख्य रूप से प्रेरित किया। नीली वर्दी में सुसज्जित पुरुष और महिला वायु कर्मियों के अद्भुत समन्वय ने न केवल गर्व की भावना जगाई, बल्कि अनेक युवाओं के मन में भारतीय वायु सेना में करियर बनाने तथा राष्ट्र सेवा में योगदान देने का भाव भी सृजित किया।

छत्तीसगढ़ में जैव ईंधन के उत्पादन में 3,500 करोड़ रुपये का हो रहा निवेश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी) छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा राजधानी रायपुर में बायोफ्यूल एण्ड बायो एनर्जी एक्सपो का आयोजन 7 से 9 नवंबर तक स्थानीय श्रीराम बिजेनस पार्क में किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल रोडमैप विजन 2024–29 पर आयोजित सेमीनार में बायोफ्यूल तकनीक पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री सुमित सरकार ने छत्तीसगढ़ की जैव ईंधन रोडमैप की चर्चा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य को बायोफ्यूल के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की पहल की जा रही है।

सीईओ सुमित सरकार ने बताया कि छत्तीसगढ़ में निजी कंपनियों ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024–2030 के अनुरूप, लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। गेल और बीपीसीएल जैसी ओजीएमसी ने विभिन्न यूएलबी में 8 एमएसडब्ल्यू/ बायोमास आधारित संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ओएनजीसी ग्रीन और एचपीसीएल ग्रीन वर्तमान में सीबीजी उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने के लिए विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण कर रही हैं।

राज्य में चावल, मक्का और चने के अवशेषों का उपयोग करके बायोएथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए फीडस्टॉक–आधारित परीक्षण किया जा रहा हैं। इसके साथ ही कृषि अपशिष्ट को सब्सट्रेट के रूप में उपयोग करके एंजाइम उत्पादन परीक्षण और नए माइक्रोबियल स्ट्रेन का संवर्धन हो रहा है। उन्होंने बताया कि बायो–विमानन ईंधन के क्षेत्र में सीबीडीए अब बायोमास–आधारित हाइड्रोजन के उत्पादन की तैयारी कर रहा है, जिसका उपयोग बाद में हाइड्रोप्रोसेस्ड एस्टर और फैटी एसिड तकनीक के माध्यम से एसएएफ उत्पादन के लिए किया जाएगा।

आईपीएस डॉ. संतोष सिंह के संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयास विषय पर लिखित किताब का दिल्ली के प्रतिष्ठित मानक पब्लिकेशन द्वारा हुआ प्रकाशन

मुख्यमंत्री साय, विधानसभा अध्यक्ष व डीजीपी को किताब की प्रति भेंट की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पुलिस मुख्यालय में डीआईजी सीसीटीएनएस/एससीआरबी के रूप में पदस्थ आईपीएस डॉ. संतोष सिंह के संयुक्त राष्ट्र के शांति सुदृढ़ीकरण से जुड़े शोध विषय पर लिखित किताब का प्रकाशन दिल्ली के प्रतिष्ठित मानक पब्लिकेशन द्वारा किया गया है। डॉ सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ विष्णु देव साय, माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह और डीजीपी अरुण देव गौतम को किताब की प्रति भेंट किया।

शीत युद्ध के बाद इक्कीसवीं सदी में दुनिया में हिंसाग्रस्त राष्ट्रों में शांति को चिरस्थाई बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के शांति–रक्षा (पीस कीपिंग) और शांति–स्थापना (पीस मेकिंग) प्रयासों से आगे बढ़कर अपेक्षाकृत नए कार्य जैसे शांति–निर्माण या सुदृढ़ीकरण (पीस बिल्डिंग) कार्यों पर जोर देने की आवश्यकता हो गई है। इस सदी में संयुक्त राष्ट्र के यूएन पीसबिल्डिंग कमीशन के पर्यवेक्षण में किए जा रहे गृह युद्ध से जूझ रहे देशों और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में पीस–बिल्डिंग मिशन काम कर दुनिया में शांति प्रयासों को बहुत मजबूत कर रहे हैं। यह किताब दुनिया भर में चल रहे इन शांति प्रयासों के सिद्धांत और वास्तव में धरातल पर हो रहे कार्यों की समालोचना करती है।

श्री सिंह की यह किताब विदेशनीति के नीति–निर्धाताओं, प्रैक्टीसनर्स व छात्रों के लिए विशेष उपयोगी सिद्ध होगा। देश के अंदर के हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में भी स्थाई शांति स्थापित करने के लिए आवश्यक तत्वों की समझ बढ़ाने में मदद करेगा।

उल्लेखनीय है कि भारत अंतर्राष?ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाए रखने में संयुक?त राष?ट्र संघ की सहायता करने में दृढ़ता के साथ प्रतिबद्ध है और विभिन्न देशों में कार्यरत शांतिसेनाओं में दुनिया में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से तीसरे नंबर पर है। 1950 से अब तक हमारे देश ने 49 शांति मिशनों में भाग लिया है तथा लगभग 2 लाख शांतिसैनिकों का योगदान किया है। वरिष्ठ भारतीय पुलिस और सैन्य अधिकारी शांति मिशनों में भाग लेते हैं।

श्री सिंह ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से डॉक्टरेट की डिग्री और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) नई दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय संबंध विषय में एमफिल और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) वाराणसी से राजनीतिशास्त्र में एमए किया है। एम.फिल दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों की भागीदारी पर उन्होंने शोध–प्रबन्ध लिखा था। उनके विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल में उनके अनेकों शोध–पत्र प्रकाशित हुए हैं।

उद्योग मंत्री ने कोरबावासियों को दी 4.92 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी) उद्योग, वाणिज्य तथा श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम केरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डो को 4.92 करोड़ रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्रदान की। इस सौगात से निगम के विकास कार्यो को गति मिली है, जिसके तहत सड़क, नाली, कलवर्ट आदि के निर्माण कार्य विभिन्न वार्डो में किए जाएंगे, तो वहीं दूसरी ओर वार्ड क्र. 13 में वरिष्ठजनों को उनका अपना सियान सदन भी प्राप्त हुआ है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा अंतर्गत न्यू अमरैयापारा एवं कोसाबाड़ी जोनांतर्गत सिंगापुर में 04 करोड़ 82 लाख रूपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन बतौर मुख्य अतिथि के रूप में किया, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, जबकि कार्यक्रम में सभापति नूतन सिंह ठाकुर, गोपाल मोदी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित मेयर इन काउंसिल के सदस्यों, पार्षदों व जनप्रतिनिधियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की, वहीं उद्योग मंत्री श्री देवांगन द्वारा वार्ड क्र. 13 में 10 लाख रूपए की लागत से नवनिर्मित सियान सदन का लोकार्पण भी किया गया।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनता जनार्दन का आशीर्वाद, प्यार व स्नेह मेरी सबसे बड़ी पूंजी है, मैं आभारी हूँ कि कोरबा की जनता ने मुझे सदैव अपना प्यार, स्नेह व आशीर्वाद दिया है, उन्होने कहा कि जहां तक कोरबा के विकास की बात है, तो देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आशीर्वाद तथा उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के सहयोग से कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है।

यहां पर बरसों से व्याप्त समस्याएं दूर हो रही हैं, जिसके साक्षी हम सब हैं। उन्होने कहा कि विगत डेढ़ वर्षो के कार्यकाल में कोरबा नगर निगम क्षेत्र में 700 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। विकास कार्यो हेतु जब भी जितनी राशि की मांग की जाती है, मुख्यमंत्री श्री साय के द्वारा तत्काल स्वीकृत प्रदान की जाती है, उन्होने कहा कि कोरबा नगर निगम के सभी 67 वार्डो में समान रूप से विकास कार्य हो रहे हैं, आगे भी लगातार होंगे, यह मैं विश्वास दिलाता है।

राज्यपाल डेका से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) राज्यपाल रमेन डेका से छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजभवन रायपुर में सौजन्य भेंट की। उप राज्यपाल श्री सिन्हा ने राज्यपाल रमेन डेका को माता वैष्णो देवी का पवित्र प्रसाद भेंट किया। राज्यपाल श्री डेका ने उपराज्यपाल श्री सिन्हा का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस यात्रा को अविस्मरणीय बनाने के लिए उपराज्यपाल ने राजभवन परिवार के साथ सामूहिक फोटो भी ली।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुनर्वास केंद्र में पुनर्वासित युवाओं से की आत्मीय भेंट

बुनियादी सुविधाओं की ली जानकारी, शासन की योजनाओं से जोड़ने दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपने बीजापुर जिले के दो दिवसीय प्रवास के दौरान आज पुनर्वास केंद्र पहुंचकर पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय भेंट की। उन्होंने उनके दैनिक जीवन, भोजन–पानी, कपड़ों, स्वास्थ्य, मनोरंजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली।

वर्तमान में पुनर्वास केंद्र में कुल 92 पुनर्वासित युवा रह रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने सभी से बातचीत कर उनकी दिनचर्या, नाश्ता, भोजन, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य इन युवाओं को मुख्यधारा में जोड़कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

घर-परिवार और जीवकोपार्जन से जुड़ी चर्चा

श्री शर्मा ने पुनर्वासित युवाओं से उनके वैवाहिक जीवन, घर–परिवार, कृषि भूमि, वनाधिकार पत्र, सिंचाई सुविधा और अन्य आजीविका साधनों के बारे में भी जानकारी ली। सभी युवाओं ने बताया कि उनके पास कृषि भूमि है तथा भूमि का पट्टा भी उपलब्ध है। इस पर उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को शासन की सिंचाई योजनाओं, बोर उत्खनन, क्रेडा के माध्यम से सोलर पंप तथा प्राथमिकता के आधार पर गांवों में ग्रिड बिजली आपूर्ति की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएं।

परिवार से नियमित मुलाकात की व्यवस्था

श्री शर्मा ने कहा कि प्रत्येक रविवार पुनर्वासित युवाओं से उनके परिजन मिलने आ सकें, इसके लिए नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आज रविवार होने के कारण कई परिजनों ने पुनर्वास केंद्र पहुंचकर अपने परिवारजनों से भेंट की। उपमुख्यमंत्री ने स्वयं भी कई पुनर्वासित युवाओं के परिजनों से भी मुलाकात की और सभी ने अपने परिवार के सदस्यों के हिंसा छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने पर हर्ष व्यक्त किया।

साक्षरता, कौशल विकास और दस्तावेज सुविधा पर बल

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सभी पुनर्वास करने वाले युवाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ना सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक व्यक्ति को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, वनाधिकार पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज आसानी से उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने सभी के लिए साक्षर भारत मिशन उल्लास कार्यक्रम के तहत अक्षर ज्ञान और नियमित साक्षरता परीक्षा में सम्मिलित कराने को कहा। उन्होंने सभी युवाओं उनकी रुचि के अनुसार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करने को कहा। वहीं महिलाओं ने बताया कि वे कपड़ों की सिलाई में रुचि रखते हैं, जिस पर उपमुख्यमंत्री ने सभी के लिए सिलाई का प्रशिक्षण प्रारम्भ निर्देश दिए।

इस अवसर पर सभी प्रशिक्षु युवाओं ने एक्सपोजर विजिट की मांग रखी, जिस पर श्री शर्मा ने सहमति देते हुए कहा कि उन्हें रायपुर ले जाकर शासन की विभिन्न विकास गतिविधियों एवं पुनर्वास योजनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाएगा।

इस अवसर पर बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर संबित मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे, डीएफओ रंगानाथन रामाकृष्णन वाय., तथा उपनिदेशक इन्द्रावती टाइगर रिजर्व संदीप बलगा सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल रमेन डेका ने विद्यार्थियों और लखपति दीदियों को किया सम्मानित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका ने आज यहां राजभवन में खैरगढ़–छुईखदान–गण्डई जिले के गोद ग्राम–सोनपुरी के उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों एवं लखपति दीदियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने उन्हें अपने हाथों से प्रमाण पत्र दिया। श्री डेका ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें अच्छे से अध्ययन करने और स्किल सीख कर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने लखपति दीदियों से चर्चा कर उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। लखपति दीदियों ने जैविक खेती, ड्रोन के माध्यम से किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी।

सम्मान समारोह में राज्यपाल के गोदग्राम सोनपुरी के विद्यार्थी खुसाल वर्मा, कपिल वर्मा, टोपसिंग, पिमला वर्मा, खुशी, प्रिया वर्मा, पूजा, विनीता यादव को प्रमाण पत्र दिया गया। साथ ही जैविक कृषि सखी राधा वर्मा, ड्रोन दीदी सवित्री साहू, स्वच्छग्राही गोदावरी और निता वर्मा को सम्मान प्रमाण पत्र दिया गया।

रतनपुर में 100 बिस्तर अस्पताल एवं 1 करोड़ की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा

कल्चुरी कलार समाज के सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बिलासपुर जिले के रतनपुर में आयोजित कल्चुरी कलार समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने भगवान सहस्त्रबाहु एवं बहादुर कलारीन दाई की पूजा–अर्चना कर विशाल सम्मेलन का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धार्मिक नगरी रतनपुर के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के अंतर्गत 200 करोड़ रुपए की कार्ययोजना स्वीकृति के लिए भेजी गई है, जिसकी जल्द स्वीकृति की संभावना है। उन्होंने रतनपुर में 100 बिस्तर वाले अस्पताल की स्थापना तथा कल्चुरी समाज के सामुदायिक भवन के निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव, संगीता सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, एवं महापौर पूजा विधानी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कल्चुरी राजवंश ने रतनपुर सहित देश के अनेक हिस्सों में लगभग 1200 वर्षों तक शासन किया। उनके शासनकाल में प्रजा सुखी और देश समृद्ध था। उन्होंने कहा कि मां महामाया की कृपा से छत्तीसगढ़ में तीव्र गति से विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ देश के मध्य में स्थित एक समृद्ध राज्य है, जो खनिज, वन एवं जल संसाधनों से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेशवासियों को साथ लेकर राज्य को और अधिक प्रगति के मार्ग पर ले जाएगी। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार को मात्र 22 माह हुए हैं, और इतनी कम अवधि में भी मोदी की गारंटी के रूप में किए गए लगभग सभी बड़े वादे पूरे किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नया और शक्तिशाली भारत बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि किसानों से किए गए वादे के अनुरूप सरकार 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत राज्य की लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए की राशि प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। नक्सल प्रभावित ग्रामों में विकास कार्यों को तीव्र गति से प्रारंभ किया गया है। पिछले कुछ महीनों में बस्तर के अनेक ग्रामों को पुनः विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति को देशभर में सराहना मिली है। अब तक 7.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर उद्योगों की स्थापना का कार्य आरंभ हो चुका है। नई नीति में रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है, और अधिक रोजगार देने वाले उद्योगों को विशेष रियायतें दी जा रही हैं।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771-2223399, मो.–6262904444